RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 304 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 04-06-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 अपराधियों के खिलाफ 'कतई बर्दाश्त नहीं करने' की नीति जारी रहेगी

6 नशा : राष्ट्र की जड़ों को खोखला करने वाली चुनौती

7 कभी मत कहो कि हमारे पास कम है : अंकिता लोखंडे

फर्स्ट टेक

दलाई लामा को धर्मशाला स्थित उनके आवास पर ग्रैमी पुरस्कार प्रदान किया गया

धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश)/भाषा। तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा को बुधवार को यहां उनके आवास पर सरोद वादक अमजद अली खान द्वारा औपचारिक रूप से ग्रैमी पुरस्कार प्रदान किया गया। दलाई लामा, तेनजिन ग्यात्सो ने अपने 'स्पोकन-वर्ड एल्बम' 'मेडिटेशन्स: द रिफ्लेक्शंस ऑफ हिज होलीनेस द दलाई लामा' के लिए सर्वश्रेष्ठ ऑडियो बुक, वाचन और कथा-वाचन रिकॉर्डिंग की श्रेणी में अपना पहला ग्रैमी पुरस्कार जीता। दलाई लामा (90) का यह एल्बम उनके उपदेशों को प्रसिद्ध कलाकारों के संगीत के साथ पिरोकर तैयार किया गया है। यह दुनिया भर के लोगों तक शांति और करुणा का संदेश पहुंचाता है। इस एल्बम में दलाई लामा के शांति, करुणा, जागरूकता और सार्वभौमिक उत्तरदायित्व पर दिए गए उपदेश हैं।

भारत में नेपाल के 25 स्टार्टअप ले रहे हैं प्रशिक्षण

काठमांडू/भाषा। नेपाल के 25 स्टार्टअप भारत में प्रशिक्षण ले रहे हैं। दोनों देशों के बीच स्टार्टअप साझेदारी कार्यक्रम के तहत भारत सरकार इसका पूरा खर्च वहन कर रही है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। भारत-नेपाल स्टार्टअप पार्टनरशिप नेटवर्क (आईएन-स्पैन) कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण का दूसरा चरण आईआईटी मद्रास प्रवर्तक टेक्नोलॉजीज फाउंडेशन (चेन्नई) में सोमवार को शुरू हुआ। काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच पर यह जानकारी देते हुए लिखा, भारत-नेपाल स्टार्टअप पार्टनरशिप नेटवर्क कार्यक्रम नेपाल के उभरते उद्यमियों को भारतीय प्रौद्योगिकी एवं स्टार्टअप परिवेश के साथ जोड़ता है।''

नेपाल ने भारत की एक इंच जमीन पर भी अतिक्रमण नहीं किया है : पूर्व प्रधानमंत्री ओली

काठमांडू/भाषा। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री के. पी. शर्मा ओली ने बुधवार को संसद में प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह के बयान की कड़ी आलोचना की और जोर देकर कहा कि नेपाल ने भारतीय क्षेत्र का एक इंच भी अतिक्रमण नहीं किया है। ओली यहां अपने दल कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। रविवार को प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह की टिप्पणियों ने नेपाल में उस वक्त विवाद खड़ा कर दिया, जब उन्होंने कहा, ''न केवल भारत, बल्कि नेपाल ने भी कई स्थानों पर भारत के क्षेत्रों का अतिक्रमण किया है।''

सूर्यास्त 04-06-2026 6:43 बजे | सूर्योदय 05-06-2026 5:52 बजे

BSE	NSE
74,346.17	23,405.60
(-303.67)	(-77.95)

सोना	चांदी
16,085 रु.	266,962 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

मौकापरस्त राजनीति

कब किसका कैसे लगे दाँव,
इस तिकड़म में शामिल समस्त।
ना वादों का कोई मतलब,
लालच में सारे किले ध्वस्त।
जय लोकतंत्र की बलिहारी,
जिसमें नेतागण सदा मस्त।
सत्तागामी है राजनीति,
जिसमें सारे मौकापरस्त।।

कर्नाटक के 25वें मुख्यमंत्री बने डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने बुधवार को राज्य के 25वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की। लोक भवन परिसर के ग्लास हाउस में आयोजित भव्य समारोह में राज्यपाल थावरचंद्र गहलोत ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। समर्थकों के नारों के बीच डीके शिवकुमार मंच पर पहुंचे और सबसे पहले अपने आध्यात्मिक गुरु माने जाने वाले श्री वीर गंगाधर स्वामीजी (अज्जैया) के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद, उन्होंने संविधान की प्रति हाथ में लेकर पद और गोपनीयता की शपथ ली तथा वीर गंगाधर अज्जा का स्मरण किया। शपथ ग्रहण समारोह की शुरुआत 'वंदे मातरम' के साथ हुई। इसके बाद कर्नाटक राज्य पुलिस बैंड द्वारा राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया और राज्य गीत भी बजाया गया।

कर्नाटक सरकार की मुख्य सचिव शालिनी रजनीश ने समारोह में उपस्थित अतिथियों और गणमान्य लोगों का स्वागत किया। औपचारिक कार्यक्रम शुरू होने से पहले शिवकुमार ने निवर्तमान मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। समारोह में कई प्रमुख राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय नेता मौजूद रहे। इनमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल और रणदीप सिंह सुरजेवाला सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता शामिल हुए।

कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्य सचिव शालिनी रजनीश ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत से शपथ ग्रहण समारोह शुरू करने की अनुमति मांगी। राज्यपाल की स्वीकृति के बाद शपथ ग्रहण की औपचारिक प्रक्रिया शुरू हुई। इस समारोह के साथ ही कर्नाटक की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत हुई और डी.के. शिवकुमार ने राज्य की कमान औपचारिक रूप से संभाल ली। समारोह में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, समर्थक, संवैधानिक पदाधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

विधानसौधा की सीढ़ियों पर श्रद्धापूर्वक नतमस्तक हुए मुख्यमंत्री

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार बुधवार को औपचारिक रूप से पदभार संभालने से पहले कर्नाटक विधानसौधा की सीढ़ियों पर श्रद्धापूर्वक नतमस्तक हुए। शपथ लेने के बाद, शिवकुमार ने श्रद्धापूर्वक झुककर सीढ़ियों को छुआ और बाद में राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में पहली बार भवन में प्रवेश करते हुए राष्ट्रीय नेताओं और कर्नाटक की प्रमुख हस्तियों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

शिवकुमार ने डॉ. बी.आर. अंबेडकर, पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, 12वीं शताब्दी के समाज सुधारक बसवन्ना और बेंगलूरु के संस्थापक नाडप्रभु केम्पेगौड़ा की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की। पारंपरिक ढोल-नगाड़ों की प्रस्तुति के साथ समर्थकों ने विधानसौध में नये मुख्यमंत्री का उत्साहपूर्वक स्वागत किया।

मुख्यमंत्री शिवकुमार ने विधानसौध परिसर में स्थित मुनेश्वर स्वामी मंदिर में भी दर्शन किया और वहां पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने से पहले शिवकुमार ने अपने आधिकारिक कक्ष में भी पूजा की।

छात्रों के लिए मुफ्त बस पास और निजी रोजगार एक्सचेंज स्थापित करने की घोषणा

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने बुधवार को पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद कई कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा की, जिनमें छात्रों के लिए मुफ्त बस पास और निजी रोजगार एक्सचेंज की स्थापना शामिल है। पद और गोपनीयता की शपथ लेने के बाद शिवकुमार ने पहले कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें यह निर्णय लिया गया कि गैर-लक्जरी सरकारी बसों में सभी छात्रों को मुफ्त बस पास दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरियों में युवाओं की भर्ती के लिए जल्द ही कार्यक्रमों की रूपरेखा घोषित की जाएगी। शिवकुमार ने यह भी कहा कि बेरोजगारी के मुद्दे को दूर करने के लिए निजी रोजगार एक्सचेंज स्थापित किया जाएगा, जहां लोग नौकरियों के लिए पंजीकरण करवा सकेंगे।

भारत और लाओ के बीच व्यापार में प्रगति की अपार संभावनाएं : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि भारत और लाओ पीडीआर के बीच व्यापार एवं निवेश में प्रगति करने की अपार संभावनाएं हैं।

राष्ट्रपति भवन में लाओ पीडीआर के उप-प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री थोंगसावन फोमविहाने के साथ अपनी मुलाकात के दौरान, राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि भारत और लाओ पीडीआर के बीच गहरे सभ्यतागत संबंध हैं। उन्होंने रेखांकित किया कि यह जुड़ाव दोनों देशों की बौद्ध धर्म और रामायण की साझा विरासत में स्पष्ट रूप से झलकता है। उन्होंने कहा कि भारत और लाओ पीडीआर के बीच द्विपक्षीय व्यापार में वृद्धि हुई है, लेकिन व्यापार और निवेश दोनों क्षेत्रों में प्रगति करने की अब भी काफी गुंजाइश है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि भारत सूचना और संचार प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, औषधि, कृषि, सिंचाई, विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा और बिजली जैसे क्षेत्रों में लाओ पीडीआर के साथ सहयोग का विस्तार करने में प्रसन्नता महसूस करेगा। उन्होंने कहा, ''हम नवाचार और ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था के क्षेत्रों में भी अपने अनुभव साझा करने के इच्छुक हैं।''

थोंगसावन फोमविहाने की पहली भारत यात्रा पर उनका स्वागत करते हुए, राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि दोनों देशों के बीच विकास साझेदारी और अधिक मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी लाओस के युवाओं की आकांक्षाओं और वहां की सामाजिक-आर्थिक विकास की जरूरतों के अनुरूप है।

राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, नेताओं ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि भारत और लाओ पीडीआर के बीच घनिष्ठ सहयोग दोनों देशों के लोगों के लिए अत्यधिक लाभकारी हो सकता है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि इस वर्ष, ''हम दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 70वीं वर्षगांठ मना रहे हैं'', जो द्विपक्षीय संबंधों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

ईरान ने ड्रोन हमले के जरिये कुवैत के हवाई अड्डे को निशाना बनाया

दुबई/एपी। ईरान के ड्रोन हमले में भारी नुकसान पहुंचने और एक व्यक्ति की मौत के बाद कुवैत ने देश के मुख्य हवाई अड्डे को बुधवार को कुछ समय के लिए बंद कर दिया। यह ड्रोन हमला तब किया गया जब मंगलवार देर रात ईरान और अमेरिका ने एक-दूसरे पर मिसाइल हमले किये थे। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसियों ने दावा किया कि देश ने अमेरिका और इजराइल के साथ युद्धविराम की अवधि बढ़ाने के बारे में मध्यस्थों के साथ वार्ता बंद कर दी है। एक क्षेत्रीय अधिकारी ने कहा कि ईरान चाहता था कि वार्ता फिर से शुरू करने से पहले लेबनान में हुए संघर्ष विराम को पूरी तरह लागू कराया जाये। इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस दावे का खंडन किया और कहा कि बातचीत जारी है। ये वार्ता कई सप्ताह से खिंचती जा रही है और खाड़ी क्षेत्र में बार-बार होने वाले हमलों और लेबनान में इजराइल के बढ़ते युद्ध से इन प्रयासों पर और भी दबाव पड़ रहा है।

आदिवासियों को जल, जंगल, जमीन के अधिकार से वंचित रखना चाहते हैं भाजपा, आरएसएस : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) आदिवासियों को जल, जंगल, जमीन के अधिकारों से वंचित रखना चाहते हैं।

पार्टी के आदिवासी प्रकोष्ठ द्वारा कांग्रेस मुख्यालय 'इंदिरा भवन' में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पोस्ट में यह टिप्पणी की। उन्होंने 'आदिवासी प्रोफेशनल्स कॉन्क्लेव 2026' में बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि

देने के बाद सभा को संबोधित किया और आदिवासियों से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की।

आदिवासी प्रकोष्ठ के प्रमुख विक्रांत भूरिया ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष को पारंपरिक आदिवासी टोपी भी भेंट की।

गांधी ने फेसबुक पर पोस्ट किया, ''आदिवासी भारत के पहले मालिक हैं जिनमें भारत की ऐतिहासिक चेतना और ज्ञान समाया हुआ है, यही सच्चाई है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस की आदिवासी विरोधी मानसिकता आपको 'वनवासी' का नाम देकर आपके जल, जंगल, जमीन के अधिकारों से वंचित रखना चाहती है।

गांधी ने कहा, ''कांग्रेस पार्टी और मैं आपके अधिकारों का सम्मान करते हैं तथा उनकी रक्षा के लिए हर कदम उठाने को, हर लड़ाई लड़ने को तैयार हैं।''

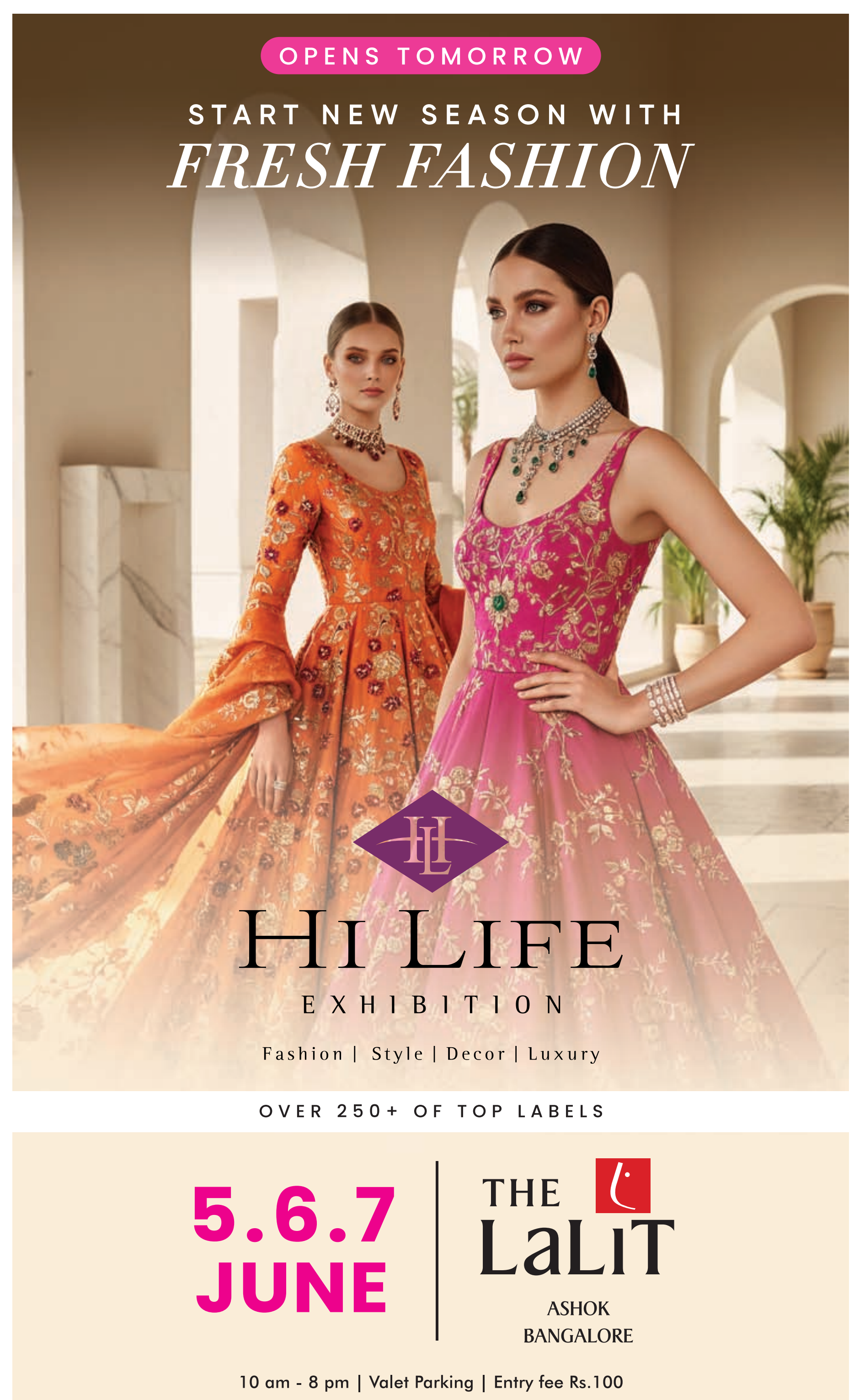

दिल्ली के होटल में लगी आग

विदेशी नागरिकों समेत 21 लोगो की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर इलाके की एक तंग गली में स्थित एक होटल में बुधवार को भीषण आग लग गई, जिसमें कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई। इनमें वे विदेशी नागरिक भी शामिल हैं, जिनके बीमार रिश्तेदारों का पास के अस्पतालों में इलाज चल रहा था।

मालवीय नगर के हौज रानी स्थित 'फ्लोरिश स्टे बी एंड बी' में सुबह करीब 8:30 बजे आग लगी और देखते ही देखते फैल गई, जिससे लोग स्तब्ध रह गए। कई स्थानीय लोगों सहित बचावकर्मी पांच मंजिला संकरी इमारत में फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए मौके पर पहुंचे।

अधिकारियों ने बताया कि लगभग 40 लोगों को इमारत से निकाला गया और अस्पताल ले जाया गया, जहां 21 लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। कई

घायलों की हालत गंभीर होने के कारण मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली सरकार की 'बेड एंड ब्रेकफास्ट' नीति के तहत होटल को केवल छह कमरों की अनुमति थी, लेकिन वह 25 कमरे का उपयोग कर रहा था। तहखाने में भी कमरे बनाए गए थे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि होटल में प्रवेश और निकास के लिए केवल एक ही द्वार था। अग्निशमन संबंधी अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) की जांच चल रही है। आग लगने का कारण अब तक पता नहीं चल पाया है। मृतकों में विदेशी नागरिक भी शामिल हैं, जिनमें से कई मध्य एशियाई और अफ्रीकी देशों के हैं। उनके परिजनों का इलाज कुछ ही मिनटों की दूरी पर स्थित मैक्स अस्पताल में चल रहा था, जिस वजह से वे होटल में ठहरे हुए थे।

प्रधानमंत्री ने जनहानि पर दुख जताया, अनुग्रह राशि की घोषणा की

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली के मालवीय नगर में हुई आग की घटना में लोगों की मौत पर बुधवार को शोक व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि तथा घायलों को 50-50 हजार रुपए देने की घोषणा की।

प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, दिल्ली के मालवीय नगर में आग की घटना में जनहानि अत्यंत दुखद है। अपने प्रियजनों को खोने वाले लोगों के प्रति संवेदना जताता हूं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता उपलब्ध करायी जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के निकटतम परिजन को दो लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए की सहायता राशि दी जाएगी।

दिल्ली होटल अग्निकांड : गोद में बच्चा लिये महिला समेत कई लोगों ने इमारत से लगाई छलांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर में एक होटल की पांच मंजिला इमारत में लगी भीषण आग से जान बचाने के लिए अलग-अलग मंजिल से कई लोगों ने सड़क पर स्थानीय लोगों द्वारा बिछाये गये गद्दे पर छलांग लगा दी, जिनमें वह महिला भी शामिल थी, जिसकी गोद में एक बच्चा था।

मालवीय नगर के भीड़भाड़ वाले हौज रानी इलाके में स्थित होटल 'फ्लोरिश स्टे बी एंड बी' में बुधवार सुबह आग लग गई, जिसमें कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए।

दिल्ली अग्निशमन सेवा, पुलिस और आपदा राहत इकाइयों की टीमें बचाव अभियान में लगी हुई थीं। इस दौरान कम से कम 10 पुलिसकर्मी घायल हो गए। घायल पुलिसकर्मियों को इलाज के लिए दिल्ली के एम्स अस्पताल ले जाया गया।

घना काला धुआं निकलने और आग के तेजी से इमारत में फैलने के बीच घबराए हुए लोग खिड़कियों के शीशे तोड़ते, खुले स्थानों से बाहर झांकते और मदद के लिए गुहार लगाते नजर आए। सीढ़ियां और आंतरिक गलियारे धुएं से भर जाने के कारण, कई मेहमानों के पास इमारत से नीचे कूदने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग से बचने के प्रयास में कम से कम छह लोगों ने इमारत की विभिन्न मंजिलों से छलांग लगा दी। इनमें एक महिला भी शामिल थी, जिसने अपनी गोद में एक छोटे बच्चे को ले रखा था।

उनके मुताबिक, चौथी मंजिल पर फंसे एक विदेशी दंपति ने खिड़की का शीशा और एल्यूमिनियम की ग्रिल तोड़ दी तथा पाइप के सहारे नीचे उतरने की कोशिश की, लेकिन दोनों गिर गए। ऊपर से गुजर रहे तारों में फंसते हुए महिला सिर के बल जमीन पर गिरी। दोनों को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया। अभी यह पता नहीं चल पाया है कि वे बच पाए या नहीं।

बचाव कार्य में शामिल एक स्थानीय निवासी ने बताया, हर तरफ अफरा-तफरी मची हुई थी। लोग खिड़कियों में फंसे हुए थे और मदद के लिए चिल्ला रहे थे। कुछ लोगों ने शीशे तोड़कर बाहर निकलने की कोशिश की। हमने कई लोगों को अलग-अलग मंजिलों से कूदते देखा।'' भयावह दृश्य देखकर इलाके के निवासियों और दुकानदारों ने आपातकालीन सेवाओं के मौके पर पहुंचने से पहले ही कार्रवाई शुरू कर दी। गद्दे की दुकानों के मालिकों और अन्य स्थानीय लोगों ने तुरंत गद्दे और कंबल इमारत के नीचे संकरी सड़क पर लाकर बिछा दिए, ताकि बचने की कोशिश कर रहे लोगों को नीचे गिरने पर कोई चोट न आए।

एक अन्य प्रत्यक्षदर्शी ने बताया, ''जिस वक्त महिला ने छलांग लगाई, उस वक्त उसने बच्चे को कसकर पकड़ रखा था। उससे कुछ देर पहले और बाद में भी कुछ लोग कूदे। जब भी कोई नीचे कूदने की कोशिश करता दिखता तो लोग गद्दों को इधर-उधर कर देते, ताकि उसे चोट न आए।

कई स्थानीय निवासियों ने मानव शृंखला बनाई, अंदर फंसे लोगों को उन्हें खिड़कियों की ओर जाने को कहा, जहां से उन्हें बचाया जा सके या वे सुरक्षित रूप से बाहर कूद सकें। कई लोग वीडियो बना रहे लोगों से रिकॉर्डिंग नहीं करने और बचाव कार्य में मदद करने के लिए कहते हुए भी सुने गए।

स्थानीय लोग पीड़ितों को उठाकर पास के अस्पतालों में ले जाते देखे गये।

आग से बचने के लिए इमारत से छलांग लगाने वालों में मोहम्मद साहिदुल इस्लाम, आरमिन जमन और रियाना शामिल थे।

अधिकारियों ने बताया कि इमारत से 40 से अधिक लोगों को निकाला गया। मृतकों में कई विदेशी नागरिक शामिल हैं, और अधिकारियों को आशंका है कि घायल लोगों की हालत गंभीर होने के कारण मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है।

मालवीय नगर अग्निकांड : आप और कांग्रेस ने दमकल विभाग की कार्रवाई में देरी का लगाया आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस ने मालवीय नगर के एक होटल में बुधवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे लगी भीषण आग की घटना में दमकल विभाग की कार्रवाई में देरी का आरोप लगाया है। इस हादसे में विदेशी नागरिकों सहित कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई है।

मालवीय नगर से आम आदमी पार्टी के पूर्व विधायक और पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सोमनाथ भारती ने दावा किया कि दमकल की गाड़ियां घटनास्थल पर करीब एक घंटा देरी से पहुंचीं। यह आग दक्षिण दिल्ली के भीड़भाड़ वाले हौज रानी इलाके में एक पांच मंजिला इमारत में स्थित 'फ्लरिश स्टे' बेड-एंड-ब्रेकफास्ट होटल में लगी थी।

भारती ने कहा, बचाव दलों को रवाना किया गया था, लेकिन दमकल विभाग को घटना के कुछ ही मिनटों के भीतर पहुंचना चाहिए था, जबकि दमकल केंद्र घटनास्थल से महज तीन मिनट की दूरी पर है, फिर भी गाड़ियां लगभग एक घंटे बाद पहुंचीं।'' उन्होंने कहा कि स्थानीय निवासी सक्रिय थे और उनके प्रयासों के कारण कई जानें बचाई जा सकीं। ''अगर दमकल की गाड़ियां समय पर आ जातीं, तो हम कई और जिंदगियां बचा सकते थे।

देश में नियुक्ति गतिविधियों में मई में चार प्रतिशत की गिरावट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। देश में दफ्तर में बैठकर काम करने से जुड़े पदों के लिए नियुक्ति गतिविधियों में मई में सालाना आधार पर चार प्रतिशत की गिरावट आई है। हालांकि, विविधता आधारित यानी विभिन्न वर्गों के आधार पर नियुक्ति में वृद्धि हुई है। बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में यह कहा गया।

फाउंडइट इनसाइट्स ट्रैकर (एफआईटी) की रिपोर्ट के अनुसार, कुल 'व्हाइट-कॉलर' यानी कार्यालयों में बैठकर काम करने से जुड़े पदों के लिए नियुक्ति गतिविधियों में मासिक आधार पर छह प्रतिशत की गिरावट आई। यह बाजार की बदलती परिस्थितियों के बीच नियोक्ताओं की निरंतर सतर्कता को दर्शाता है। हालांकि, इसी अवधि में विविधतापूर्ण नियुक्ति गतिविधियों में 21 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आयात और निर्यात, लॉजिस्टिक और परिवहन, खुदरा और बीएफएसआई (बैंक, वित्तीय सेवाएं और बीमा) जैसे कई क्षेत्रों में नियुक्ति की धीमी गति ने वार्षिक भर्ती रुख को प्रभावित किया। आयात और निर्यात क्षेत्र में 23 प्रतिशत की गिरावट आई। वहीं लॉजिस्टिक और परिवहन क्षेत्र में 18 प्रतिशत, खुदरा क्षेत्र में आठ प्रतिशत और बीएफएसआई में आठ प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

दूसरी तरफ, यात्रा और पर्यटन (26 प्रतिशत), वाहन (12 प्रतिशत), स्वास्थ्य सेवा और औषधि (11 प्रतिशत) और रियल एस्टेट (11 प्रतिशत) जैसे क्षेत्रों में मई में सालाना आधार पर नियुक्ति में मजबूत वृद्धि देखी गई।

फाउंडइट इनसाइट्स ट्रैकर रिपोर्ट रोजगार की जानकारी देने वाले मंच फाउंडइट.इन के 7,39,188 ऑनलाइन डाली गयी नौकरियों को लेकर नियुक्ति गतिविधियों का एक व्यापक मासिक विश्लेषण है।

ठाणे में चार साल के बच्चे को उसकी मां के प्रेमी ने पीट-पीटकर मार डाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में चार वर्षीय एक बच्चे को उसकी मां के प्रेमी ने कथित तौर पर पीट-पीटकर मार डाला। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि अभी अपराध के पीछे का मकसद पता नहीं चला है।

उन्होंने बताया कि काशीमीरा थानाक्षेत्र में हुई घटना की प्रारंभिक जांच के दौरान संदेह होने शंभू शर्मा नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने कहा कि लड़के की मां शर्मा के साथ रहती है।

अधिकारियों के अनुसार, आरोपी ने घर में बच्चे पर बेरहमी से हमला किया, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद मौत को स्वाभाविक मृत्यु दिखाने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि पंचनामे के दौरान पुलिस को बच्चे के शरीर पर चोट के निशान नजर आए जिसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए ले जाया गया। अधिकारियों ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से पुष्टि हुई कि बच्चे की मौत गंभीर आंतरिक चोटों के कारण हुई।

पुलिस ने जांच के आधार पर शर्मा को हिरासत में लिया और उसने बच्चे को पीटने की बात कबूल कर ली।

अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को शर्मा के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया। उन्होंने कहा कि इस बात की जांच की जा रही है कि आरोपी ने बच्चे पर हमला क्यों किया और क्या मां को इसकी जानकारी थी।

विवाहित युवतियों की अप्राकृतिक मौत की त्वरित पुलिस जांच जरूरी है : दिल्ली उच्च न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कथित दहेज हत्या के एक मामले में पुलिस द्वारा प्राथमिकी दर्ज किये जाने में आठ माह की देरी पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि विवाहित युवतियों की अप्राकृतिक मौत के मामलों में त्वरित और गहन पुलिस जांच की आवश्यकता होती है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने ब्याह के महज छह माह के अंदर 25-वर्षीय एक युवती की दहेज मौत के एक मामले में उसके पति और ससुराल वालों की अग्रिम जमानत अर्जी खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज होने में 'युवती की शादी की पूरी अवधि से भी अधिक समय लगा' और यह एक 'दुर्भाग्यपूर्ण हकीकत' है कि मृत महिला के पिता को न्यायिक आदेश के तहत प्राथमिकी दर्ज होने से पहले 'दर-दर भटकना' पड़ा।

उच्च न्यायालय ने कहा कि प्राथमिकी दर्ज किये जाने में देरी के परिणामों को हल्के में नहीं लिया जा सकता। उसने उम्मीद जताई कि भविष्य में, शादी के तुरंत बाद युवतियों की अप्राकृतिक मृत्यु के मामलों में प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश के अनुरोध वाले आवेदनों पर मजिस्ट्रेट अदालतों द्वारा 'अधिक तत्परता' से विचार किया जाएगा, विशेषकर जब दहेज से संबंधित उत्पीड़न के आरोप हों। वर्तमान मामले में, मृत महिला के पति ने दो जुलाई, 2025 को उसके पिता को सूचित किया कि सीढ़ियों से गिरने के बाद उनकी बेटी अस्पताल में भर्ती है। हालांकि, अस्पताल पहुंचने पर पिता को गड़बड़ी का संदेह हुआ। बाद में पता चला कि महिला ने ससुराल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। उसने तीन जुलाई, 2025 को दम तोड़ दिया, जबकि मजिस्ट्रेट न्यायालय के निर्देशों के अनुसार इस वर्ष 13 फरवरी को प्राथमिकी दर्ज की गई। पति और ससुराल वालों ने प्राथमिकी दर्ज कराने में देरी एवं मृत महिला के पिता द्वारा कार्यकारी मजिस्ट्रेट को दिए गए अपने पहले बयान में किसी भी तरह के 'स्पष्ट एवं विस्तृत आरोप' न लगाने के आधार पर अग्रिम जमानत मांगी।

सेबी ने राजेश एक्सपोर्ट्स के प्रवर्तक-सीईओ पर कंपनी के शेयरों में लेन-देन की रोक लगाई

बेंगलूरु/नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बुधवार को राजेश एक्सपोर्ट्स लिमिटेड के प्रवर्तक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) राजेश मेहता पर कंपनी की प्रतिभूतियों में लेन-देन करने की रोक लगा दी। उन पर वित्तीय विवरण में बड़े पैमाने पर भ्रामक जानकारी देने और धन के गबन का आरोप लगाया गया है। सेबी ने कंपनी को सूचीबद्धता दायित्व एवं खुलासा प्रावधान (एलओडीआर) विनियमों के तहत अपने वित्तीय विवरणों, संबंधित पक्ष लेनदेन आदि का सही एवं निष्पक्ष खुलासा करने का भी निर्देश दिया। सेबी ने 109 पृष्ठ के अंतरिम आदेश में कहा कि उसकी जांच में वित्तीय विवरणों में गलत या भ्रामक जानकारी पेश करने के साथ-साथ व्यक्तिगत खातों और संबंधित संस्थाओं के माध्यम से धन के इधर-उधर करने के मामले सामने आए हैं। धन को इधर-उधर करने के संबंध में कोई पर्याप्त खुलासा या दस्तावेज उपलब्ध नहीं थे।

उत्तराखंड : सूझबूझ से 34 यात्रियों की जान बचाने वाले बस चालक की पहिये से कुचलकर मौत

चंपावत/भाषा। उत्तराखंड के चंपावत जिले में बुधवार को एक चालक ने अपनी सूझबूझ से रोडवेज बस में सवार 34 यात्रियों की जान बचा ली, लेकिन वह खुद वाहन के अगले पहिये के नीचे आ गया, जिससे उसकी मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

उत्तराखंड परिवहन निगम के क्षेत्रीय मंडल टनकपुर के सहायक मंडलीय प्रबंधक सुरेश पांडे ने बताया कि घटना सुबह 10 बजे बारहमासी सड़क पर हुई, जब धारचूला से टनकपुर जा रही बस के ब्रेक चंपावत से 18 किलोमीटर पहले मरोड़ाखान के पास ढलान पर अचानक खराब हो गए।

पांडे के मुताबिक, बस में सवार 34 यात्रियों की जान बचाने के मकसद से चालक ने वाहन को रोकने के लिए उसे दाहिनी ओर पहाड़ी से टकरा दिया। उन्होंने बताया कि हालांकि इस दौरान चालक खुद छिटककर बस के अगले पहिये के नीचे आ गया, जिससे कुचलकर उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

योगांध्र अभियान में एक करोड़ लोगों को शामिल किया जाएगा : नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

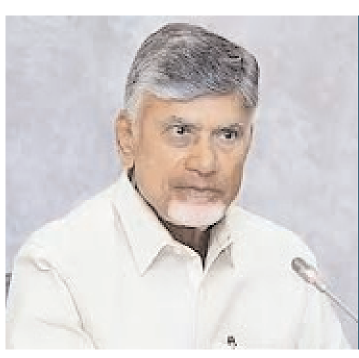

यह अभियान अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले योग को जन स्वास्थ्य आंदोलन के रूप में बढ़ावा देने के लिए है...

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को कहा कि राज्य का लक्ष्य योगांध्र-2026 अभियान में एक करोड़ लोगों को शामिल करना है। यह अभियान अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले योग को जन स्वास्थ्य आंदोलन के रूप में बढ़ावा देने के लिए है।

नायडू ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि योग भारत द्वारा विश्व को दिया गया एक अनमोल जीवन-मार्ग है और तनाव, चिंता एवं जीवनशैली से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं का कारगर उपाय है। नायडू ने कहा, ''हमारा लक्ष्य योगांध्र-2026 में एक करोड़ लोगों को शामिल करना है। योग हर घर में दैनिक अभ्यास बनना चाहिए और एक स्वस्थ आंध्र प्रदेश के निर्माण के लिए शक्तिशाली आंदोलन के रूप में उभरना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि योगांध्र-2026 का आयोजन राज्य भर में सात से 20 जून तक किया जाएगा, जिसमें जिलास्तरीय कार्यक्रम और अमरावती में एक बड़ा कार्यक्रम शामिल है। अमरावती के कार्यक्रम में 25,000 प्रतिभागियों द्वारा योगाभ्यास किया जाएगा।

बंधुआ मजदूरी के मुद्दे पर अमेरिका ना भारत समेत 54 देशों पर 12.5 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क का प्रस्ताव

वाशिंगटन/नई दिल्ली/भाषा। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) ने बंधुआ मजदूरी से निर्मित वस्तुओं के आयात पर प्रतिबंध लागू न करने के आरोप में भारत सहित 54 देशों पर 12.5 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा है। यह प्रस्ताव उन जांच के बाद सामने आया है, जो अमेरिका ने 60 देशों के खिलाफ इस आधार पर शुरू की थी कि वे बंधुआ मजदूरी से बनी वस्तुओं के आयात पर प्रतिबंध लगाने और उसे प्रभावी ढंग से लागू करने में विफल रहे हैं। यह प्रस्ताव ऐसे समय आया है जब भारत और अमेरिका के अधिकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण को अंतिम रूप देने के लिए नई दिल्ली में तीन दिन की वार्ता कर रहे हैं। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) ने 1974 के व्यापार अधिनियम की धारा 301 के तहत मार्च में शुरू की गई जांच के बाद यह प्रस्ताव रखा है।

बीएस-4 से बीएस-6: दिल्ली-एनसीआर में स्वच्छ परिवहन के लिए कैबिनेट की मंजूरी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में पुराने ट्रक और बस को बदलने की एक योजना को बुधवार को मंजूरी दे दी। इस कदम का उद्देश्य क्षेत्र में वायु प्रदूषण को कम करना और स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देना है। इस योजना का उद्देश्य दिल्ली-एनसीआर में पंजीकृत उन ट्रक और बस के मालिकों को प्रोत्साहन देना है, जो बीएस-4 या उससे पहले के उत्सर्जन मानकों का अनुपालन करते हैं, ताकि वे अपने वाहनों को बीएस-6 या उससे अधिक कड़े उत्सर्जन मानकों वाले वाहनों अथवा ईवी से बदल सकें। बयान के अनुसार, केंद्र सरकार 5 साल के लिए ऋण पर 5% ब्याज सब्सिडी, वाहन श्रेणी के आधार पर 4,800 रुपए तक के मासिक ईंधन वाउचर और इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने या जमा प्रमाणपत्र के व्यापार के लिए एकमुश्त लाभ प्रदान करेगी। इस योजना से दिल्ली व एनसीआर राज्यों-हरियाणा, राजस्थान एवं उत्तर प्रदेश-में लगभग 2.07 लाख वाहन मालिकों (1.91 लाख ट्रक और 16,329 बस) को लाभ होगा।

जब कानून लागू करने वाले ही जबरन वसूली करने लगें, तो नागरिक संदेह की नजर से देखने लगते हैं : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने जबरन वसूली के आरोपी तीन पुलिस अधिकारियों को दी गई अग्रिम जमानत रद्द करते हुए कहा है कि जब कानून लागू करने वाले अधिकारी ही जबरन वसूली करने वाले बन जाते हैं, तो नागरिक संदेह की नजर से देखते हैं और दुविधा में पड़ जाते हैं। न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने बंबई उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए आदेश को ''अस्पष्ट'' बताते हुए रद्द कर दिया। पीठ ने कहा, ''जब कानून लागू करने वाले अधिकारी जबरन वसूली करने वाले बन जाते हैं, तो नागरिक संदेह की नजर से देखने लगते हैं। विरोध करना तत्काल प्रतिशोध को न्योता देना है और एकमात्र विकल्प वर्दीधारी अधिकारियों के सामने चुपचाप आत्मसमर्पण करना है, भले ही स्पष्ट रूप से दुर्व्यवहार हो रहा हो।'' इस मामले में, शिकायतकर्ता अपनी बेटी के साथ मुंबई से हापा दुरंतो एक्सप्रेस में यात्रा करने वाले थे। शिकायतकर्ता, उनकी बेटी और उन्हें छोड़ने आए एक करीबी रिश्तेदार को रेलवे स्टेशन पर पुलिसकर्मियों ने हिरासत में ले लिया। यात्री के सामान की तलाशी के दौरान 14 ग्राम की सोने की छड़ और 31,900 रुपए नकद बरामद हुए।

अदालत ने धनशोधन मामले में जैकलीन, सुकेश के खिलाफ आरोप तय किये

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने 200 करोड़ रुपए के धनशोधन मामले में बुधवार को अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीस, कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर और 15 अन्य के खिलाफ औपचारिक रूप से आरोप तय कर दिए। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ द्वारा दर्ज एक अलग मामले में अदालत ने चंद्रशेखर और 20 अन्य के खिलाफ भी विभिन्न अपराधों के तहत आरोप तय किए, जिनमें कठोर महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत आने वाले अपराध भी शामिल हैं।

चंद्रशेखर, जैकलीन और कई अन्य आरोपी बुधवार दोपहर अदालत में पेश हुए। आरोपियों ने आरोप खारिज करते हुए अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एएसजे) प्रशांत शर्मा के समक्ष मुकदमे का सामना करने की बात कही। अदालत ने 30 मई को दो अलग-अलग आदेशों के जरिये दोनों मामलों में आरोप तय करने का निर्देश दिया था और कहा था कि प्रथम दृष्टया आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त सबूत मौजूद हैं।

विशेष प्रकोष्ठ द्वारा दर्ज और बाद में आर्थिक अपराध शाखा द्वारा जांच किए गए मामले में, न्यायाधीश ने चंद्रशेखर के खिलाफ खुद को लोकसेवक के रूप में पेश करने, जबरन वसूली, धोखाधड़ी, आपराधिक धमकी, आपराधिक साजिश समेत विभिन्न आरोप तय करने का आदेश दिया। इसके अलावा, अदालत ने सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम तथा मकोका (महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण कानून) की धाराओं के तहत आरोप तय करने का भी आदेश दिया। न्यायाधीश ने चंद्रशेखर की पत्नी लीना पौलोस के खिलाफ भी इसी तरह के आरोप तय करने का आदेश दिया, हालांकि इसमें उसके खिलाफ खुद को लोकसेवक के रूप में पेश करने से जुड़ा अपराध शामिल नहीं होगा।

न्यायाधीश ने कहा कि 17 अन्य लोगों के खिलाफ विभिन्न दंडनीय अपराधों और आईटी अधिनियम तथा मकोका की धाराओं के तहत आरोप तय किए जाएं। मकोका, संगठित आपराधिक गिरोहों और आतंकवाद से निपटने के लिए बनाया गया कानून है। इस कानून के तहत अधिकारियों के पास गिरोह से संबंधित उन आपराधिक गतिविधियों पर नजर रखने, उन्हें रोकने और दंडित करने के लिए विशेष शक्तियां होती हैं, जिन्हें सामान्य दंड संहिताओं के जरिये नहीं रोका जा सकता। ईडी का आरोप है कि चंद्रशेखर ने जबरन उगाही, धोखाधड़ी, पहचान बदल कर ठगी व आपराधिक धमकी के माध्यम से 200 करोड़ रु. से अधिक की आय अर्जित की। दिल्ली पुलिस का मामला आदिति सिंह नामक महिला की शिकायत पर दर्ज किया गया था, जिसमें कहा था कि 15 जून 2020 को उनके मोबाइल पर एक लैंडलाइन नंबर से कॉल आया और फोन करने वाले व्यक्ति ने खुद को केंद्रीय कानून मंत्रालय का एक वरिष्ठ अधिकारी बताकर उनके पति तथा कंपनियों से जुड़े कानूनी मामलों को सुलझाने में मदद की पेशकश की। पुलिस ने आरोप लगाया कि इसके बाद फोन करने वाले व्यक्ति ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर साजिश रची और लगभग 217 करोड़ रुपए की जबरन वसूली की।

डीके शिवकुमार ने ली कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद की शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस नेता डी. के. शिवकुमार ने पार्टी के प्रमुख नेताओं की मौजूदगी में बुधवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने 64 वर्षीय शिवकुमार को लोक भवन के 'ग्लास हाउस' में पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण के दौरान शिवकुमार हाथ में संविधान की प्रति लिए हुए थे।

शपथ ग्रहण समारोह में पार्टी के वरिष्ठ नेता जी.परमेश्वर और 12 अन्य नेताओं ने मंत्री पद की शपथ ली। उन्होंने संविधान निर्माता बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर के नाम पर शपथ ली। परमेश्वर इस सरकार में उप मुख्यमंत्री होंगे। उपमुख्यमंत्री परमेश्वर के अलावा जिन 12 नेताओं ने मंत्रीपद की शपथ ली उनमें केएच मुनियप्पा, के जे जॉर्ज, एमबी पाटिल, रामलिंगा रेड्डी, सतीश जारकीहोली, कृष्णा बायरेगौड़ा, प्रियंक खरगे, यू टी खादर, ईश्वर खंड्रे, यतींद्र सिद्दरामय्या, बिरथी सुरेश और शरण प्रकाश पाटिल शामिल हैं। खादर और यतींद्र को छोड़कर अन्य सभी नेता पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली मंत्रिपरिषद में मंत्री रह चुके हैं। खादर अब तक कर्नाटक विधानसभा के अध्यक्ष थे, जबकि यतींद्र, सिद्दरामय्या के पुत्र हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, केरल के मुख्यमंत्री वी.डी.सतीशन, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और कई अन्य नेता शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। इस मौके पर विभिन्न मठों के प्रमुखों सहित सभी कई समुदायों के धार्मिक नेता भी उपस्थित थे।

शिवकुमार मंत्रिपरिषद में मुख्यमंत्री समेत अब कुल 14 सदस्य हैं। विधानसभा के संख्याबल के आधार पर राज्य में मंत्रिपरिषद में अधिकतम 34 सदस्य हो सकते हैं।

इस माह होने वाले राज्यसभा और विधान परिषद चुनाव के बाद शिवकुमार मंत्रिमंडल का विस्तार होने की संभावना है। शपथ लेने से पहले, शिवकुमार ने खरगे, राहुल गांधी और कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों का गुलदस्ता देकर और कांग्रेस का 'अंगवस्त्रम' पहनाकर उनका स्वागत किया। राहुल गांधी ने शिवकुमार को गले लगाकर बधाई दी। मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के साथ ही आठ बार के विधायक डी.के. शिवकुमार का वह वह सपना साकार हो गया, जिसके लिए उन्होंने लंबे समय तक राजनीतिक संघर्ष किया। शिवकुमार और सिद्दरामय्या के बीच काफी समय तक चली खींचतान का अंत पिछले सप्ताह सिद्दरामय्या के मुख्यमंत्री पद छोड़ने के साथ हुआ। सिद्दरामय्या ने कांग्रेस आलाकमान के निर्देश के बाद बीते 28 मई को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और उनके इस कदम से दक्षिण भारत में पार्टी के संकटमोचक माने जाने वाले शिवकुमार के लिए यह पद ग्रहण करने का रास्ता साफ हुआ।

कर्नाटक मंत्रिपरिषद : पुराने और नए दिग्गजों का मिश्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में बुधवार को डी.के. शिवकुमार की मंत्रिपरिषद में 13 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। यहां उनका संक्षिप्त विवरण दिया गया है।

जी. परमेश्वर

परमेश्वर तुमकुरु जिले के कोराटगेरे विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। एथलेटिक्स ट्रैक पर फर्राटा दौड़ने से लेकर ऑस्ट्रेलिया में कृषि अनुसंधान करने और अंततः कर्नाटक की उतार-चढ़ाव भरी राजनीति की राह तय करने तक, जी. परमेश्वर की कहानी दृढ़ता, विद्वता और जनसेवा की मिसाल है। कांग्रेस में एक भरोसेमंद संगठनात्मक चेहरा और कर्नाटक में पार्टी के सबसे प्रमुख दलित चेहरों में से एक, परमेश्वर की उपमुख्यमंत्री पद पर वापसी, उनके तीन दशक से अधिक लंबे राजनीतिक करियर में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

परमेश्वर (74) के संगठनात्मक कौशल की सबसे अच्छी झलक शायद कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के सबसे लंबे समय तक अध्यक्ष रहने के उनके रिकॉर्ड में मिलती है। वह 27 अक्टूबर, 2010 से 4 जुलाई, 2018 तक इस पद पर रहे।

सतीश जारकीहोली

वह छह बार के विधायक हैं, और पिछली सिद्दरामय्या सरकार में लोक निर्माण मंत्री थे। वाल्मीकि जनजातीय समुदाय से आने वाले 64 वर्षीय जारकीहोली एक राजनीतिक-व्यावसायिक परिवार से ताल्लुक रखते हैं, जिसका अपना चीनी कारखाना है। वह बेलगावी के यमकनमर्डी निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं।

प्रियंक खरगे

प्रियंक (47), कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के पुत्र हैं। दलित नेता प्रियंक, सिद्दरामय्या सरकार में सूचना प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी और ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज विभाग संभाल चुके हैं। चित्तपुर से विधायक प्रियंक, भाजपा और आरएसएस के खिलाफ अपने मुखर एवं आक्रामक रुख के लिए जाने जाते हैं।

यू. टी. खादर

सिद्दरामय्या सरकार के दौरान विधानसभा अध्यक्ष के रूप में कार्य कर चुके 56 वर्षीय खादर तटीय कर्नाटक से कांग्रेस का एक मजबूत अल्पसंख्यक चेहरा हैं। उन्होंने अतीत में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, खाद्य और नागरिक आपूर्ति, शहरी विकास और आवास सहित विभिन्न विभाग संभाले हैं। वह दक्षिण कन्नड़ जिले के मंगलूरु निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं।

कृष्ण बायरे गौड़ा

गौड़ा (53) कर्नाटक में जाने-माने वोक्कालिगा चेहरों में से एक हैं। उन्होंने राज्य की सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार में राजस्व मंत्री के रूप में कार्य किया। गौड़ा ने वाशिंगटन डीसी में अमेरिकन यूनिवर्सिटी से अंतरराष्ट्रीय मामलों में एमए की डिग्री और क्राइस्ट यूनिवर्सिटी से बीबीएम की डिग्री हासिल की है।

उनके पिता, सी. बायरे गौड़ा, कर्नाटक विधानसभा के उपाध्यक्ष और कृषि मंत्री थे। कृष्णा बायरे गौड़ा ब्याटरायणपुरा विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं।

के. एच. मुनियप्पा

वह अनुसूचित जाति के मडिगा समुदाय से ताल्लुक रखते हैं और सिद्दरामय्या सरकार में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री थे। 78 वर्षीय मुनियप्पा कोलार से सात बार सांसद रह चुके हैं और 2023 में उन्होंने राज्य की राजनीति में वापसी की। उनकी बेटी रूपकला भी कांग्रेस की विधायक हैं। वह बेंगलूरु ग्रामीण के देवनहल्ली निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं।

रामलिंगा रेड्डी

बेंगलूरु के बीटीएम लेआउट से 72 वर्षीय विधायक रामलिंगा रेड्डी ने सिद्दरामय्या सरकार में परिवहन और हिंदू धार्मिक बंदोबस्त विभाग संभाला था। वह अतीत में गृह विभाग भी संभाल चुके हैं।

यतींद्र सिद्दरामय्या

निवर्तमान मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के पुत्र, यतींद्र चरवाहा 'कुरुबा' समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। पेशे से डॉक्टर, यतींद्र कांग्रेस के विधान परिषद सदस्य हैं। उन्होंने इससे पहले वरुणा विधानसभा क्षेत्र से विधायक के रूप में अपनी सेवाएं दी हैं।

के. जे. जॉर्ज

केलाचंद्रा जोसेफ जॉर्ज बेंगलूरु में बसे एक मलयाली हैं। उन्होंने सिद्दरामय्या सरकार में ऊर्जा मंत्री के रूप में कार्य किया था। वह पिछली कांग्रेस सरकार (2013-2015) में गृह मंत्री थे। वह बेंगलूरु शहरी के सर्वज्ञ नगर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं।

ईश्वर खंड्रे

पूर्व मंत्री भीमन्ना खंडरे के पुत्र, 64 वर्षीय खंडरे भालकी विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने पिछली सिद्दरामय्या सरकार में वन, पर्यावरण और पारिस्थितिकी मंत्री के रूप में कार्य किया था।

शरण प्रकाश पाटिल

पेशे से डॉक्टर 59 वर्षीय कांग्रेस नेता कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में लिंगायत समुदाय का एक प्रमुख राजनीतिक चेहरा हैं। उन्होंने सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली सरकार में चिकित्सा शिक्षा और कौशल विकास मंत्री के रूप में कार्य किया। पाटिल सेडम निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं।

एम. बी. पाटिल

प्रमुख लिंगायत नेता, एम. बी. पाटिल (61), जगतिका लिंगायत महासभा के कार्यकारी अध्यक्ष हैं। वह विजयपुरा के प्रसिद्ध शिक्षाविद्, राजनीतिक नेता और सार्वजनिक व्यक्तित्व बी. एम. पाटिल के बड़े पुत्र हैं। वह बबलेश्वर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली सरकार में भारी एवं मध्यम उद्योग एवं बुनियादी ढांचा विकास मंत्री के रूप में भी कार्य किया।

बिरथी सुरेश

सुरेश (53) कुरुबा समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। वह पिछली सिद्दरामय्या सरकार में शहरी विकास मंत्री थे। उन्हें सिद्दरामय्या का करीबी माना जाता है। वह बेंगलूरु के हेब्बाल विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं।

मुख्यमंत्री का पद जनता के विश्वास का प्रतीक है : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने बुधवार को पदभार ग्रहण करने के बाद कहा कि मुख्यमंत्री का पद केवल एक संवैधानिक पद नहीं है, बल्कि यह राज्य की जनता द्वारा उन पर जताए गए विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे मिलकर ऐसा कर्नाटक बनाएं जो पहले से अधिक दयालु, समानतापूर्ण और समृद्ध हो।

शिवकुमार ने 'एक्स' पर लिखा, मैंने आज लोकभवन में अत्यंत विनम्रता और कृतज्ञतापूर्वक कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। यह क्षण केवल मेरे लिए नहीं बल्कि कर्नाटक की जनता और लाखों समर्पित कार्यकर्ताओं के लिए महत्वपूर्ण है, जिनके स्नेह और विश्वास ने हर चुनौती से निपटने के लिए मेरा मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा, सुख और दुःख के हर क्षण में, वे मेरी ताकत और प्रेरणा रहे। मैं उन सभी के प्रति आभार जताता हूं जिन्होंने मुझ पर विश्वास किया और मेरा साथ दिया।

शिवकुमार ने कहा, मेरा मानना है कि यह केवल एक संवैधानिक पद नहीं है। यह हमारे राज्य की जनता द्वारा मुझ पर किए गए विश्वास का प्रतीक है। मेरे कंधों पर करोड़ों कर्नाटक वासियों की आशाओं, आकांक्षाओं और सपनों को पूरा करने की जिम्मेदारी है। मैं अपने वरिष्ठों, मार्गदर्शकों और सभी लोगों का हमेशा आभारी रहूंगा, जिन्होंने मेरा मार्गदर्शन किया, प्रोत्साहित किया और मुझे दृढ़ रहने की शक्ति दी। उन्होंने कहा कि कर्नाटक हमेशा अवसरों, नवाचार और प्रगति की भूमि रहा है। ऐसे समय में जब दुनिया अभूतपूर्व गति से बदल रही है, हमें नए विचारों, प्रौद्योगिकी और सामूहिक प्रयास करके एक मजबूत, अधिक समृद्ध व समावेशी भविष्य बनाना होगा।

उन्होंने कहा कि हर किसान, मजदूर, उद्यमी, महिला, छात्र और युवा राज्य की विकास यात्रा के अगले अध्याय को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा, कोई भी नेता अकेले बदलाव नहीं ला सकता। वास्तविक प्रगति तब होती है जब लोग साझा दृष्टिकोण और सामान्य उद्देश्य के साथ एकजुट हों। मुझे दृढ़ विश्वास है कि यदि हम इस मार्ग साथ चलते हैं, तो कोई भी लक्ष्य हमारी पहुंच से बाहर नहीं रहेगा।

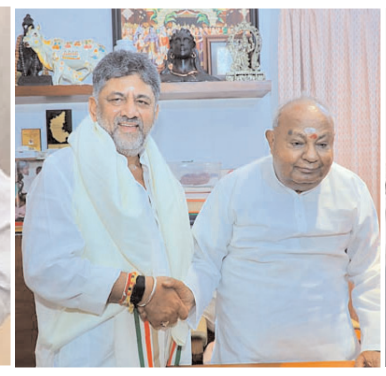

शिवकुमार ने शपथ ग्रहण समारोह के लिए सिद्दरामय्या, येडीयुरप्पा, देवेगौड़ा को आमंत्रित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख डी.के. शिवकुमार ने बुधवार को निवर्तमान मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता बी.एस. येडीयुरप्पा और पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा से मुलाकात कर उन्हें अपने शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया। शिवकुमार ने यहां सिद्दरामय्या के आवास 'कावेरी' पर जाकर उनसे मुलाक़ात की और शपथ ग्रहण समारोह से पहले उनके प्रति आभार व्यक्त किया। यह समारोह लोक भवन के ग्लास हाउस में शाम चार बजकर पांच मिनट पर आयोजित किया जाएगा।

इसके बाद, मुख्यमंत्री पद के लिए नामित शिवकुमार ने यहां भाजपा के वरिष्ठ नेता येडीयुरप्पा के आवास पर जाकर उन्हें भी समारोह के लिए आमंत्रित किया। शिवकुमार ने येडीयुरप्पा से मुलाक़ात के बाद पत्रकारों से कहा, उन्होंने राज्य को दिशा दिखाई है, उन्होंने राज्य के लिए काम करने के साथ इसके विकास में योगदान दिया है। हम सभी को मिलकर काम करना होगा। शिवकुमार ने जनता दल (एस) के वरिष्ठ नेता एच. डी. देवेगौड़ा से भी मुलाकात की और उन्हें शपथ ग्रहण समारोह के लिए आमंत्रित कर उनका आशीर्वाद लिया। शिवकुमार ने देवेगौड़ा के आवास के बाहर पत्रकारों से कहा, देवेगौड़ा और येडीयुरप्पा ने हमारे राज्य की बहुत सेवा की है। अन्य मुख्यमंत्रियों ने भी राज्य की सेवा की है, मैं उनसे भी मिलूंगा। उन्होंने हमेशा राज्य की गरिमा और गौरव की रक्षा की है और इसे कोई नहीं भूल सकता। मैं राज्य के हित में हमेशा बड़ों का मार्गदर्शन लेता रहूंगा। उन्होंने कहा कि सरकार निरंतरता का प्रतिनिधित्व करती है और दलगत राजनीति से ऊपर उठकर हम सभी को राज्य के हित में मानवता के साथ मिलकर काम करना चाहिए।

शिवकुमार ने पूर्व प्रधानमंत्री एच. डी. देवेगौड़ा के व्यापक अनुभव को एक बड़ी ताकत बताते हुए कहा कि उन्होंने (देवेगौड़ा ने) उन्हें अच्छा मार्गदर्शन दिया है। शिवकुमार ने कहा, उन्होंने मेरे धैर्य की सराहना की। उन्हें विश्वास है कि मैं राज्य के लिए अच्छा काम करूंगा। मैं भविष्य में भी उनका मार्गदर्शन लेता रहूंगा।

उपेक्षा का सवाल ही नहीं उठता : जी परमेश्वर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। वरिष्ठ कांग्रेस नेता जी परमेश्वर ने बुधवार को कहा कि उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाए जाने के बाद अब उनके अनुभव की उपेक्षा या उनके साथ किसी प्रकार का अन्याय किए जाने का कोई सवाल ही नहीं उठता। परमेश्वर ने पत्रकारों से बातचीत में उन अटकलों को खारिज किया कि उन्हें नेतृत्व व्यवस्था में हाशिये पर रखा गया है। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने उन्हें एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है, जिसे उन्होंने स्वीकार किया है। उन्होंने कहा, ''मेरे अनुभव की उपेक्षा का कोई सवाल ही नहीं है।''

कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि वह पार्टी के फैसले के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं और उपमुख्यमंत्री पद को जनता की सेवा का अवसर मानते हैं। उन्होंने कहा, ''हां, मुझे भी मुख्यमंत्री बनने की इच्छा थी, लेकिन जो भी फैसला पार्टी का शीर्ष नेतृत्व लेता है, हमें एक अनुशासित कार्यकर्ता की तरह उसे स्वीकार करना चाहिए।'' उन्होंने पार्टी नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि उनपर जो भरोसा जताया गया है, उसके लिए वह आभारी हैं।

परमेश्वर ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाया जाना उनके लिए राज्य की सेवा का एक नया अवसर है। उन्होंने कहा, ''मैं इसे राज्य के लोगों की सेवा का एक और अवसर मानता

हूं, हमारी पार्टी की विचारधारा और घोषणापत्र के अनुरूप काम करने का अवसर।'' जब उनसे पूछा गया कि मुख्यमंत्री पद की दौड़ में रहने के बाद उपमुख्यमंत्री पद से वह संतुष्ट हैं या नहीं, तो उन्होंने कहा कि जनसेवा किसी भी पद से अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, क्या कोई भी पद अच्छा नहीं है, यदि वह (पद) लोगों और राज्य की सेवा का अवसर देता है? यह एक अवसर है।''

परमेश्वर ने डी के शिवकुमार और पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि सरकार में उन्हें जो भी विभाग दिया जाएगा, उसकी जिम्मेदारी निभाने के लिए वह तैयार हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे अभी नहीं पता कि कौन सा विभाग मिलेगा। जो भी विभाग दिया जाएगा, मैं उसमें काम करूंगा।''

सिद्दरामय्या सरकार के 11 मंत्री शिवकुमार मंत्रिमंडल में शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में बुधवार को डी.के. शिवकुमार के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में शामिल किए गए 13 मंत्रियों में से 11 राज्य की पिछली सिद्दरामय्या सरकार का हिस्सा थे। दिलचस्प बात यह है कि पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के बेटे और एमएलसी यतींद्र को भी मंत्री बनाया गया है। हालांकि, मंत्रिमंडल गठन के पहले चरण में किसी भी महिला प्रतिनिधि को शामिल नहीं किया गया है। विधानसभा अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने वाले यू टी खादर और यतींद्र शिवकुमार मंत्रिमंडल में केवल दो नए चेहरे हैं। बाकी सभी मंत्री सिद्दरामय्या नीत मंत्रिमंडल का हिस्सा रहे हैं। शपथ लेने वाले वरिष्ठ दलित नेता जी परमेश्वर को उप मुख्यमंत्री बनाया गया है। शपथ लेने वाले अन्य मंत्री के. एच. मुनियप्पा, के जे जॉर्ज, एम बी पाटिल, रामलिंगा रेड्डी, सतीश जारकीहोली, कृष्णा बायरेगौड़ा, प्रियंक खरगे, यू टी खादर, ईश्वर खंड्रे, यतींद्र सिद्दरामय्या, बिरथी सुरेश और शरण प्रकाश पाटिल हैं।कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, इस नए मंत्रिमंडल को देखने पर ऐसा लग सकता है कि इस पर सिद्दरामय्या की छाप स्पष्ट है। हालांकि, इसका मतलब यह भी हो सकता है कि कैबिनेट गठन के अगले चरण में कई नए चेहरे शामिल किए जा सकते हैं।

विधानसभा के संख्याबल के आधार पर राज्य में मंत्रिपरिषद में अधिकतम 34 सदस्य हो सकते हैं। जातिगत समीकरण की बात करें तो शिवकुमार मंत्रिमंडल में राजनीतिक रूप से प्रभावशाली वोक्कालिगा और वीरशैव-लिंगायत समुदायों से तीन-तीन मंत्रियों को जगह मिली है। दलित समुदाय से भी तीन मंत्री बनाए गए हैं। अन्य पिछड़े वर्ग के कुरुबा समुदाय से दो मंत्री हैं। अनुसूचित जनजाति, ईसाई और मुस्लिम समुदायों से क्रमश: एक-एक मंत्री बनाए गए हैं।

जिलेवार प्रतिनिधित्व की बात करें तो सबसे अधिक चार मंत्री बेंगलूरु शहरी से हैं। इसके अलावा दो मंत्री कलबुर्गी और एक-एक मंत्री बेंगलूरु दक्षिण, बेंगलूरु ग्रामीण, तुमकुरु, विजयपुरा, बीदर, दक्षिण कन्नड़, बेलगावी और मैसूरु जिलों से हैं। यतींद्र सिद्दरामय्या मंत्रिमंडल में जगह पाने वाले एकमात्र एमएलसी हैं। बाकी सभी मंत्री विधानसभा के सदस्य हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने शिवकुमार को बधाई दी

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को डी के शिवकुमार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई दी और कहा कि केंद्र सरकार जनकल्याण के लिए राज्य सरकार के साथ मिलकर काम करेगी। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने बुधवार को बेंगलूरु में शिवकुमार को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करने पर डी के शिवकुमार जी को हार्दिक बधाई। उन्हें उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं।

कांग्रेस ने हरिप्रसाद समेत चार नेताओं को कर्नाटक विधान परिषद चुनाव में उम्मीदवार बनाया

बेंगलूरु। कांग्रेस ने अपने वरिष्ठ नेता बी.के. हरिप्रसाद समेत चार नेताओं को बुधवार को कर्नाटक विधान परिषद के चुनाव के लिए उम्मीदवार घोषित किया। पार्टी ने हरिप्रसाद के अलावा विधान परिषद के वर्तमान सदस्य तिप्पन्ना कमक्नूर को भी उम्मीदवार बनाया है। इसके साथ ही, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेताओं पी वी मोहन तथा शिवन्ना मालावल्ली को भी विधान परिषद चुनाव का टिकट दिया गया है। कर्नाटक की चार राज्यसभा और सात विधान परिषद सीट पर चुनाव के लिए अधिसूचना बीते सोमवार को जारी की गई, जिसके तहत मतदान 18 जून को होगा।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना सं: SG-SWR-PROJUBL-KAVACH-RM दिनांक: 29.05.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
लोंडा - हुबली - अरसीकेरे खंड में कवच उपकरणों के लिए प्रस्तावित रिले रूम संशोधन / विस्तार या नई निर्माणों का कार्य।	रु. 4,58,75,786.72

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 25.06.2026, 11:30 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

उप मुख्य सिग्नल व दूरसंचार इंजीनियर/ परियोजनाएं/हुबली

PUB/182/AAMO/PRB/SWR/2026-27

आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

झड़प

राजस्थान विश्वविद्यालय में अपनी विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं और पुलिसकर्मियों के बीच बुधवार को तीखी झड़प हुई।

स्याहगोश के आवास, व्यवहार पर अध्ययन के लिए 'प्रोजेक्ट कैराकल' शुरू किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार ने जंगली बिल्ली की बेहद दुर्लभ नस्ल स्याहगोश (कैराकल) के आवास, खानपान, व्यवहार और अस्तित्व संबंधी खतरों का अध्ययन करने तथा राज्य में उसके संरक्षण की नीति तैयार करने के लिए 'प्रोजेक्ट कैराकल' शुरू किया है। सलीम अली पक्षी विज्ञान एवं प्राकृतिक इतिहास केंद्र (एसएसीओएन), भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई), राजस्थान वन विभाग और एनजीओ 'टाइगर वॉच' के विशेषज्ञ संयुक्त रूप से 18 महीने लंबी इस परियोजना को कार्यान्वित कर रहे हैं। डब्ल्यूआईआई के निदेशक डॉ. गोविंद सागर भारद्वाज ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि 'प्रोजेक्ट कैराकल' के तहत राजस्थान के चार बाघ अभयारण्यों-रणथंभौर (सवाई माधोपुर), धौलपुर-करौली, रामगढ़ विषधारी (बूंदी) और मुकुंदरा (कोटा) के साथ-साथ बंधबरेठा जैसे आसपास के क्षेत्रों में स्याहगोश पर विस्तृत अध्ययन किया जाएगा।

उन्होंने कहा, अध्ययन के दौरान स्याहगोश की आदतों, खानपान, आवास और अस्तित्व के समक्ष मौजूद खतरों का विश्लेषण किया जाएगा। अध्ययन में मिले निष्कर्षों के आधार पर स्याहगोश के संरक्षण की नीति बनाई जाएगी। भारद्वाज ने कहा कि स्याहगोश भारत के अर्ध-शुष्क सवाना क्षेत्रों में पाई जानी वाली बेहद फुर्तीली दुर्लभ जंगली बिल्ली है और राजस्थान तथा गुजरात इसके प्रमुख निवास स्थान हैं, लेकिन भूमि उपयोग में तेजी से हो रहे बदलाव और बढ़ती मानवीय गतिविधियों के चलते इसका अस्तित्व खतरे में है।

उन्होंने बताया कि भारत में फिलहाल 100 से भी कम स्याहगोश होने का अनुमान है। अधिकारियों के मुताबिक, कुछ समय पहले शुरू किए गए 'प्रोजेक्ट कैराकल' के तहत कार्यशालाओं और शैक्षिक सामग्री के माध्यम से स्कूली छात्रों, शिक्षकों और स्थानीय समुदायों में जागरूकता पैदा करने पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 'कैमरा ट्रैप' और फील्ड सर्वेक्षण के माध्यम से स्याहगोश और उसके आवास के बारे में अतिरिक्त डेटा जुटाया जाएगा। वन विभाग के मुताबिक, स्याहगोश की मौजूदगी, आवाजाही के तरीके और निवास संबंधी प्राथमिकताओं का आकलन करने के लिए विभिन्न जगहों पर 'कैमरा ट्रैप' लगाए जाएंगे।

'कैमरा ट्रैप' मोशन सेंसर से लैस स्वचालित कैमरे को कहते हैं, जो अपने आसपास किसी जानवर या व्यक्ति की मौजूदगी या हलचल का संकेत मिलते ही खुद बखुद सक्रिय हो जाता है। विभाग ने बताया कि शोधकर्ता निवास स्थान में बदलाव के असर और तेंदुए तथा बाघ जैसे अन्य शिकारी जीवों के साथ प्रतिस्पर्धा या संघर्ष की संभावनाओं का भी विश्लेषण करेंगे। रणथंभौर बाघ अभयारण्य के उप वन संरक्षक मानस सिंह ने कहा कि यह परियोजना न केवल स्याहगोश के संरक्षण संबंधी उपायों को मजबूत करेगी, बल्कि रणथंभौर क्षेत्र में जैव विविधता संरक्षण को एक नयी रफ्तार भी प्रदान करेगी।

अध्ययन दल में शामिल डॉ. धर्मेंद्र खांडल ने कहा कि इस परियोजना से स्याहगोश के लिए एक व्यापक संरक्षण रणनीति तैयार करने में मदद मिलेगी। 'प्रोजेक्ट कैराकल' के तहत सर्वेक्षण और डेटा विश्लेषण के लिए वरिष्ठ शोधकर्ताओं और प्रशिक्षित फील्ड कर्मचारियों को तैनात किया गया है। इस परियोजना में संभावित वन्यजीव गलियारों और आवासों का मानचित्रण भी किया जाएगा।

खांडल ने बताया कि पिछले दो दशक में स्याहगोश मुख्य रूप से गुजरात के भुज, मध्यप्रदेश के भिंड-मुरैना और राजस्थान के धौलपुर, करौली, भरतपुर तथा सवाई माधोपुर में ही दिखाई दिए हैं। उन्होंने बताया कि हाल के समय में रामगढ़ विषधारी बाघ अभयारण्य, मुकुंदरा हिल्स, सरमथुरा डांग क्षेत्र (धौलपुर-करौली), बंधबरेठा और रामगढ़ (जैसलमेर) में भी स्याहगोश को देखे जाने की सूचना मिली है। वन विभाग के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आईयूसीएन) की लाल सूची में शामिल स्याहगोश एक बेहद फुर्तीली निशाचर जंगली बिल्ली है, जो पक्षियों को पकड़ने के लिए हवा में 10-12 फुट तक छलांग लगाने में सक्षम है। विभाग के अनुसार, यह नस्ल भारत में अपने पूर्व निवास क्षेत्र के लगभग 95 प्रतिशत हिस्से से विलुप्त हो चुकी है और अब मुख्य रूप से राजस्थान के कुछ हिस्सों तथा गुजरात के कच्छ क्षेत्र तक ही सीमित है।

आसाराम जोधपुर के अस्पताल में फिर भर्ती, कड़ी सुरक्षा के बीच सेंट्रल जेल से लाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर । नाबालिग से यौन उत्पीड़न के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम को एक बार फिर जोधपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसे इलाज के लिए सेंट्रल जेल से कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच आरोग्यम अस्पताल लाया गया है और उसे निगरानी में रखा गया है। अस्पताल के अधिकारियों ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि आसाराम को मंगलवार रात स्पताल में लाया गया था। उसके स्थानांतरण के दौरान पुलिस का एक बड़ा दस्ता तैनात रहा और उसे कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच एम्बुलेंस से अस्पताल लाया गया। जोधपुर सेंट्रल जेल में सरेंडर करने के बाद आसाराम ने स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का हवाला देते हुए राजस्थान हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की थी। याचिका में उसने आरोग्यम अस्पताल में इलाज कराने की अनुमति मांगी थी।यह मामला राजस्थान हाईकोर्ट की अवकाशकालीन पीठ के सामने सुनवाई के लिए आया। रिपोटर्स के अनुसार, अपने मामले में राजस्थान हाईकोर्ट के फैसले के बाद आसाराम 28 मई को जोधपुर पहुंचा था। उसके पहुंचने की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में समर्थक जोधपुर एयरपोर्ट पर एकत्र हो गए। एयरपोर्ट से वह सीधे पाल गांव स्थित अपने आश्रम गया, जिसके बाद उसकी मेडिकल जांच एम्स जोधपुर में कराई गई। इसके बाद उसने जोधपुर सेंट्रल जेल में आत्मसमर्पण कर दिया।

इससे पहले राजस्थान हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच (जिसमें जस्टिस अरुण मोंगा और जस्टिस योगेंद्र कुमार पुरोहित शामिल थे) ने आसाराम को निचली अदालत द्वारा दी गई आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा था। अदालत ने स्पष्ट किया था कि आसाराम को अपने शेष जीवन तक जेल में रहना होगा। अपनी टिप्पणी में अदालत ने कहा कि सजा भले ही जेल की चारदीवारी तक सीमित हो, लेकिन पीड़िता को पहुंचा मानसिक आघात और जीवनभर का दर्द किसी सीमा में नहीं बंध सकता।

इस आदेश के बाद अदालत ने आसाराम की अंतरिम जमानत रद्द कर दी और उसकी तत्काल गिरफ्तारी के निर्देश दिए। इसके बाद आसाराम ने जेल अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। अगस्त 2013 में जोधपुर के आश्रम में एक झोपड़ी के भीतर एक नाबालिग छात्रा के साथ यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया था। अप्रैल 2018 में निचली अदालत ने आसाराम को दोषी ठहराया और उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

जैसलमेर में पाकिस्तानी सिम कार्ड पर पूर्ण प्रतिबंध, जिला प्रशासन का सख्त आदेश

जैसलमेर । राजस्थान के जैसलमेर जिला प्रशासन ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गंभीर कारणों का हवाला देते हुए सीमावर्ती इलाकों में पाकिस्तानी सिम कार्ड के इस्तेमाल और पास रखने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। जिला कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट अनुपमा जोरवाल ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 के तहत यह आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार, जैसलमेर के सीमावर्ती क्षेत्रों में किसी भी पाकिस्तानी सिम कार्ड का उपयोग, उसे अपने पास रखना या उसके माध्यम से किसी तरह का संचार स्थापित करना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अधिकारियों ने बताया कि नियम तोड़ने वालों को गिरफ्तार किया जा सकता है और उनके खिलाफ संबंधित सुरक्षा कानूनों के तहत मुकदमा चलाया जाएगा। अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट परसा राम ने कहा कि जैसलमेर सीमा से सटा संवेदनशील जिला है, इसलिए यहां अतिरिक्त सतर्कता बरतने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा स्थिति को देखते हुए समय-समय पर ऐसे आदेश जारी किए जाते रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, पाकिस्तान की ओर लगे मोबाइल टावरों के सिग्नल अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगभग 3 से 4 किलोमीटर तक भारतीय क्षेत्र में पहुंच जाते हैं।

राजस्थान को विश्व पर्यटन मानचित्र पर नंबर वन बनाने का दिया कुमारी ने लिया संकल्प

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राजस्थान को विश्व पर्यटन मानचित्र पर नंबर वन डेस्टिनेशन बनाने के लिए अधिकारियों को संकल्पित होकर कार्य करने के निर्देश दिए हैं उन्होंने कहा कि समयबद्धता के साथ सभी पर्यटन परियोजनाओं को पूरा किया जाए, ताकि राजस्थान पर्यटन विश्व पर्यटन का सिरमौर बन सके। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता तथा राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत, पर्यटन सचिव शुचि त्यागी, पर्यटन आयुक्त रुक्मणि रियाड़, अतिरिक्त निदेशक पर्यटन आनंद त्रिपाठी, पवन जैन, संयुक्त निदेशक राजेश शर्मा तथा अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में बुधवार को पर्यटन भवन में विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

उप मुख्यमंत्री ने पर्यटन विभाग की ओर से चल रही प्रमुख परियोजनाओं सहित मीडिया प्लान की प्रगति की समीक्षा कर अधिकारियों को कार्य की गति बढ़ाने तथा तय समय-सीमा में कार्य पूरे करने के निर्देश दिए। उन्होंने पर्यटन विभाग के मीडिया बायिंग पर चर्चा की और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने घरेलू और विदेशी दोनों ही स्थान पर रोड शो द्वारा राजस्थान पर्यटन के प्रमोशन पर जोर दिया।

इसके साथ ही उन्होंने पर्यटन प्रोत्साहन गतिविधियों के आयोजन और सहभागिता पर भी चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने राजस्थान पर्यटन की गहन ब्रांडिंग और मार्केटिंग किए जाने की आवश्यकता जताई और नये ज़माने की गतिविधियों और सोशल मीडिया का उपयोग किये जाने पर भी जोर दिया। उप मुख्यमंत्री ने इनोवेशन और समयबद्ध क्रियान्वयन से राजस्थान पर्यटन वैश्विक प्रतिस्पर्धा में नई ऊंचाइयां छुए इस हेतु संकल्पित हो कर, कार्य किये जाने पर जोर दिया।

बैठक में एस्ट्रो टूरिज्म पर विमर्श हुआ, जिसमें एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार राजस्थान का स्वच्छ आकाश और न्यूनतम प्रकाश प्रदूषण इसे विश्व का सर्वश्रेष्ठ स्टारगेजिंग डेस्टिनेशन बनाते हैं। पश्चिमी राजस्थान के इलाकों को डार्क स्काई रिज़र्व घोषित किये जाने पर चर्चा के साथ माउंट आबू में ऑब्जरवेटरी टूरिज्म शुरू किये जाने पर भी चर्चा हुई।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दुबई के समान राजस्थान के जैसलमेर-बाड़मेर को वर्ल्ड-क्लास डेजर्ट एडवेंचर हब बने इस हेतु कार्य योजना बनाई जाए। उन्होंने ए आई आधारित टूरिज्म ऐप बनाने पर जोर दिया। एस्ट्रो टूरिज्म की सम्भावना पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए गए। मेड़ता स्थित मीरा बाई मंदिर में विकास कार्य पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। दिया कुमारी ने उदयपुर में वेडिंग प्रोमोशन इवेंट करवाने और घूमर फेस्टिवल करने पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए।

पैक्स एवं डेयरी समितियों के माध्यम से ग्रामीणों को घर-घर मिलेगी बैंकिंग सुविधा

जयपुर। सहकारिता विभाग के शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां डॉ. समित शर्मा ने बताया कि राज्य की ग्रामीण आबादी को उनके घर तक बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में सहकारिता विभाग ने महत्वपूर्ण पहल की है। 'सहकार से समृद्धि' अभियान के अंतर्गत राज्य में ग्राम सेवा सहकारी समितियों (पैक्स) एवं प्राथमिक डेयरी सहकारी समितियों के माध्यम से अब फिनटेक आधारित डोर-स्टेप बैंकिंग सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है।

डॉ. शर्मा ने बुधवार को शासन सचिवालय में राजस्थान राज्य सहकारी बैंक के अधिकारियों की टू-डू लिस्ट की समीक्षा करते हुए सभी सक्रिय प्राथमिक डेयरी समितियों को बैंक मित्र बनाकर उन्हें माइक्रो एटीएम उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि 31 मार्च 2027 तक सभी सक्रिय 12 हजार प्राथमिक दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों तथा 30 सितम्बर 2026 तक 5 हजार सहकारी समितियों को बैंक मित्र बनाकर माइक्रो एटीएम उपलब्ध करवाये जाएं।

ग्राम पंचायत का कनिष्ठ सहायक रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान के धौलपुर जिले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने बुधवार को ग्राम पंचायत के एक कनिष्ठ सहायक को कथित रूप से 25 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार रतनपुर ग्राम पंचायत (बसेड़ी) के कनिष्ठ सहायक रमेश कुमार को गिरफ्तार किया गया है।

ब्यूरो के बयान के अनुसार एक व्यक्ति ने शिकायत की थी कि मनरेगा योजना में 'मस्टररोल' (हाजरी) जारी करने की एवज में कुमार 26 हजार रुपये रिश्वत मांग रहा है। बयान में कहा गया है कि ब्यूरो की टीम ने शिकायत का सत्यापन करने के बाद बुधवार को आरोपी को 25 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। मामले में कार्रवाई जारी है।

ग्राम पंचायत स्तर तक आमजन को जोड़कर दिया पानी बचाने का संदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चम्बल रिवर फ्रंट पर 25 मई को शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर द्वारा मां चम्बल की आरती, दीपदान और भव्य कलश यात्रा के साथ कोटा जिला में शुरू हुए वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान में ब्लॉक एवं ग्राम पंचायत स्तर तक आमजन को जोड़ते हुए इसे एक जन अभियान का रूप दिया गया है। शहरों में विभिन्न वार्डों एवं गांवों में सामूहिक जल शपथ एवं संकल्प के साथ ही तालाब, बावड़ियों एवं अन्य जल स्रोतों की सामूहिक श्रमदान से सफाई कर अभियान में आमजन की भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

कोटा जिला परिषद सभागार में बुधवार को आयोजित मीडिया राउंड टेबल के दौरान जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं वंदे गंगा अभियान के जिला नोडल अधिकारी कमल कुमार मीणा ने मीडिया कर्मियों को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अभियान में शामिल विभिन्न विभागों द्वारा कार्ययोजना बनाकर 25 मई से जल संरक्षण, स्वच्छता एवं श्रमदान के तहत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई हैं। उन्होंने बताया कि ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग द्वारा 25 मई को सभी ग्राम पंचायतों में कलश यात्रा, सरोवर पूजन एवं पीपल पूजन जैसी गतिविधियों के साथ पूरे जिले में अभियान शुरू किया गया था। 26 मई को विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन कर उसमें अभियान के बारे में चर्चा की गई एवं सभी को जल संरक्षण का संकल्प दिलाया गया। विभिन्न ग्राम पंचायतों में जल स्रोतों, जल संरक्षण ढांचों की सफाई, हरियालो राजस्थान की पूर्व तैयारी के तहत प्लांटेशन के लिए गड्ढे खोदने, अमृत सरोवरों एवं बावड़ियों की सफाई जैसे कार्य किए गए। कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के तहत हैंडपम्पों के पास सोख्ता गड्ढे बनाकर भू-जल रिचार्ज के प्रयास किए जा रहे हैं।

अभियान में स्वायत्त शासन विभाग द्वारा अभियान के अंतर्गत उजाड़ नदी पर सफाई, पूजन एवं जल संरक्षण कार्यों का शुभारंभ किया गया। सुकनी नदी सहित अन्य सरोवरों पर दीप प्रज्वलन के माध्यम से जल संरक्षण एवं स्वच्छता का संदेश दिया गया। विभिन्न नगर पालिकाओं द्वारा पौधारोपण, सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोकथाम के लिए कपड़े के थैले वितरण, कलश यात्रा, संकल्प तथा प्रभात फेरी के माध्यम से जागरूकता फैलाई गई। जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अभियान के तहत अरु नदी एनीकट पर जल पूजन, तकली बांध, पोलाई कलां तालाब पर जल उपयोक्ता संगमों के सहयोग से सफाई अभियान, नौनेरा बैराज पर जल पूजन, वृक्षारोपण एवं जल संकल्प जैसी गतिविधियां आयोजित कर अभियान में आमजन की सहभागिता सुनिश्चित की गई।

पशुपालन विभाग द्वारा गायत्री परिवार गौशाला बंधा एवं सुल्तानपुर गौशाला में सफाई अभियान के साथ ही विभिन्न पशु चिकित्सा संस्थानों में परिंडे बांधने, सफाई करने एवं प्लास्टिक से गायों को हो रहे नुकसान के बारे में आमजन को जागरूक करने संबंधी गतिविधियां आयोजित की गई।

आरएसी के जांबाजों का बढ़ा मान: महानिदेशक संजय अग्रवाल ने 128 पुलिसकर्मियों की थपथपाई पीठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस की आर्म्ड बटालियन में तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों के मनोबल को नई ऊर्जा देने के लिए आज बुधवार को एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस विभाग में विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने वाले आरएसी के 128 पुलिसकर्मियों को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए पुलिस मुख्यालय आमंत्रित किया गया, जहाँ उच्चाधिकारियों ने व्यक्तिगत रूप से उनसे संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस कार्यक्रम के दौरान आरएसी के जवानों को उनकी दो अलग-अलग श्रेणियों में की गई विशिष्ट सेवाओं के लिए बधाई दी गई। 116 पुलिसकर्मियों को खेल, प्रशिक्षण, रिजर्व पुलिस लाइन प्रबंधन, सामान्य प्रशासन और कल्याणकारी कार्यों में सुधार के लिए महानिदेशक पुलिस प्रशस्ति डिस्क एवं प्रशस्ति रोल हेतु चयनित किया गया है। आज के कार्यक्रम में इन सभी को उनके इन सराहनीय प्रयासों के लिए विशेष रूप से सराहा गया। बटालियन में घुड़सवार और बैंड दल में पदस्थापित 12 पुलिसकर्मियों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए 5100-5100-रुपये नकद इनाम और प्रशंसा पत्र प्रदान किए जाने की घोषणा के साथ ही आज उनकी हौसला अफजाई की गई। पुलिस मुख्यालय स्थित सभा कक्ष में आयोजित इस कार्यक्रम में महानिदेशक पुलिस आर्म्ड बटालियन संजय अग्रवाल एवं अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस रुपिंदर सिंघ ने सभी 128 जांबाजों से मुलाकात की। अधिकारियों ने जवानों की कर्तव्यनिष्ठा की प्रशंसा करते हुए उन्हें भविष्य में और भी बेहतर परिणाम देने के लिए प्रेरित किया। यह कार्यक्रम मुख्य रूप से जवानों के मनोबल को बढ़ाने और विभाग के प्रति उनके समर्पण को सम्मान देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

महानिदेशक संजय अग्रवाल ने जवानों को संबोधित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि आर्म्ड बटालियन का हर जवान अनुशासन और सेवा की प्रतिमूर्ति है। उन्होंने कहा कि वे हरदम अपने हुनर को तराशने का प्रयास करें।

आईएफएमएस 3.0 से राजस्थान की वित्तीय व्यवस्था बनेगी अधिक पारदर्शी : मुख्य सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राजस्थान सरकार तकनीक आधारित सुशासन को मजबूत करने की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है तथा इंटीग्रेटेड फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम (आईएफएमएस) 3.0 राज्य की वित्तीय व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह, ट्रेसेबल और नागरिक-केंद्रित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसे अधिक सक्षम बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन, भुगतान प्रक्रिया, वित्तीय निगरानी तथा लेखा प्रबंधन में आधुनिक तकनीकों का व्यापक उपयोग सुनिश्चित किया जा रहा है।

मुख्य सचिव ने बुधवार को सचिवालय से आयोजित आईएफएमएस 3.0 वेबिनार में यह जानकारी दी। उन्होंने अधिकारियों को सभी मॉड्यूल्स का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सुशासन की सोच के अनुरूप राज्य की ट्रेजरी एवं वित्तीय प्रबंधन प्रणाली को और अधिक आधुनिक, मजबूत तथा विश्वसनीय बनाया जा रहा है।

उन्होंने आईएफएमएस 3.0 को अधिक यूजर फ्रेंडली बनाने के साथ-साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सुविधाओं और आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागों के मध्य बेहतर समन्वय, प्रक्रियाओं के सरलीकरण तथा विभिन्न जिलों में अपनाई जा रही श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों को साझा करने पर जोर दिया। उन्होंने आहरण व वितरण अधिकारियों, जिला स्तरीय अधिकारियों तथा संबंधित कार्मिकों के लिए नियमित प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश भी दिए।

मुख्य सचिव ने साइबर सुरक्षा की समीक्षा के दौरान कहा कि डिजिटल वित्तीय प्रणाली में डेटा सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है। उन्होंने मजबूत साइबर सुरक्षा प्रोटोकॉल, नियमित सुरक्षा ऑडिट तथा साइबर खतरों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि डेटा की सुरक्षा एवं विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए सभी विभागों को सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करना होगा।

अपराधियों के खिलाफ ‘कतई बर्दाश्त नहीं करने’ की नीति जारी रहेगी : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि राज्य में अपराध और अपराधियों के खिलाफ उनकी सरकार की ‘कतई बर्दाश्त नहीं करने’ की नीति जारी रहेगी।

योगी ने आगाह किया कि जो लोग गरीबों को उनके अधिकारों से वंचित करने, व्यापारियों को डराने-धमकाने या महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने की कोशिश करेंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) में पूर्वी उत्तर प्रदेश के पहले ‘फ्लैटेड फैक्टरी कॉम्प्लेक्स’ का उद्घाटन करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि सुरक्षा ही विकास और औद्योगिक प्रगति की नींव है। योगी ने किसी का नाम लिए बगैर कहा कि जो लोग कानून की भाषा नहीं समझते, उनसे उसी भाषा में निपटा जाएगा, जो वे समझते हैं। उन्होंने कहा कि अपराध और अपराधियों के खिलाफ राज्य की ‘कतई बर्दाश्त नहीं करने’ की नीति बिना किसी अपवाद के जारी रहेगी।

योगी ने गीडा में लगभग 208 करोड़ रुपए की 71 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने राज्य की औद्योगिक प्रगति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बेहतर कानून-व्यवस्था की स्थिति ने उत्तर प्रदेश को 50 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव आकर्षित करने में मदद की है, जिनमें से 15 लाख करोड़ रुपए की परियोजनाएं पहले ही जमीन पर उतर चुकी हैं।

योगी ने कहा कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को बढ़ावा देने से पूरे राज्य में लगभग तीन करोड़ लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं।

प. बंगाल में ‘अन्नपूर्णा योजना’ शुरू, पहले चरण में 28.25 लाख महिलाओं को हर माह 3,000 रुपए मिलेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल सरकार ने बुधवार को महिलाओं के लिए अन्नपूर्णा योजना की शुरुआत की और घोषणा की कि पहले चरण में 28.25 लाख लाभार्थियों को हर महीने 3,000 रुपए की सहायता मिलेगी।

यह योजना इस साल के विधानसभा चुनाव में भाजपा के प्रमुख चुनावी वादों में से एक थी। इस योजना ने पूर्ववर्ती तृणमूल सरकार की ‘लक्ष्मी भंडार’ योजना की जगह ली है, जिसके तहत करीब 2.42 करोड़ महिलाओं को अधिकतम 1,500 रुपए प्रति माह मिलते थे। योजना की शुरुआत करते हुए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि पिछले तीन दिनों में 28.25 लाख महिलाओं ने आवेदन का सत्यापन करके उन्हें संबंधित पोर्टल पर पंजीकृत किया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि आवेदन प्रक्रिया अगले तीन महीने तक ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से जारी रहेगी और खंड विकास कार्यालयों, नगर निकाय कार्यालयों और नामित सरकारी केंद्रों पर आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।

शुभेंदु ने कहा, ‘‘प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी और डबल इंजन सरकार की प्रतिबद्धता से ही 3,000 रुपए की सहायता राशि देने का वादा पूरा किया गया है।’’ उन्होंने कहा कि नए आवेदन स्वीकार किए जाते रहेंगे और सभी पात्र लाभार्थियों को योजना में शामिल किया जाएगा।

उन्होंने कहा, ‘‘जैसे-जैसे फॉर्म मिलते जाएंगे, उनका सत्यापन किया जाएगा तथा 3,000 रुपए लाभार्थियों के खातों में अंतरित किए जाएंगे। हमारा लक्ष्य है कि हर पात्र महिला को यह लाभ मिले।’’

नए सिरे से पंजीकरण प्रक्रिया का बचाव करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने यह कदम इसलिए उठाया क्योंकि पता चला था कि विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद मतदाता सूची से स्थायी रूप से नाम हटाए जाने के बावजूद कई लोग लक्ष्मी भंडार जैसी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेते रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि लोगों का धन केवल पात्र भारतीय नागरिकों तक पहुंचे और किसी ‘‘गैर-भारतीय’’ को सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिलने दिया जाएगा।

हालांकि मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि जिनके मामले न्यायाधिकरणों में अपील के अधीन हैं और जिन हिंदू शरणार्थियों ने नागरिकता संशोधन अधिनियम के तहत नागरिकता के लिए आवेदन किया है, वे भी इस योजना के लिए आवेदन कर सकते हैं।

वाराणसी में रेलवे स्टेशन परिसर में बनी मजार और मस्जिद पर चला बुलडोजर

वाराणसी (उप्र)/भाषा। वाराणसी में जिला प्रशासन ने काशी रेलवे स्टेशन परिसर के अंदर स्थित एक मजार और एक मस्जिद की इमारत को ध्वस्त करा दिया। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि यह कार्रवाई जमीन के मालिकाना हक को लेकर चल रहे एक विवाद में अदालत के आदेश के बाद मंगलवार की रात को की गई। अधिकारियों का दावा था कि यह जमीन रेलवे की है। मुस्लिम पक्ष के सदस्यों ने आरोप लगाया कि यह मस्जिद कई सौ साल पुरानी थी और अजगैब शहीद के नाम से जानी जाने वाली यह मजार भी इस जगह पर लंबे समय से मौजूद थी। हालांकि, प्रशासनिक अधिकारियों ने कहा कि यह जमीन रेलवे की पुरानी संपत्ति का हिस्सा थी और पिछले कुछ सालों में इस पर कब्जा कर लिया गया था। अधिकारियों के मुताबिक यह मामला साल 2024 में शुरू किए गए ‘काशी मॉडल रेलवे स्टेशन’ प्रोजेक्ट के तहत कराये गये जमीन के सर्वे के दौरान सामने आया। एक अधिकारी ने बताया कि जमीन के रिकॉर्ड की पैमाइश और जांच के दौरान यह मजार और मस्जिद रेलवे की जमीन पर बनी होने की बात सामने आने पर संबंधित लोगों को कब्जा हटाने का नोटिस जारी किया गया था लेकिन जमीन खाली नहीं किए जाने पर मामला अदालत में पहुंचा था। अधिकारियों ने बताया कि हाल ही में अदालत ने धार्मिक स्थल पर दावा जता रहे पक्ष के खिलाफ फैसला सुनाया।

तटीय राजमार्ग परियोजना से ओडिशा की अर्थव्यवस्था को मिलेगी गति : माझी

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने बुधवार को कहा कि 8,300 करोड़ रुपए की तटीय राजमार्ग परियोजना को केंद्र से मिली हरी झंडी से राज्य की तटीय अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी, क्षेत्रीय संपर्क बढ़ेगा और लाखों लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा। माझी का यह बयान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति (सीसीईए) द्वारा हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (एचएम) के तहत खुर्दा जिले के रामेश्वर से जगतसिंहपुर जिले के पारादीप तक एक ‘ग्रीनफील्ड’ तटीय राजमार्ग के निर्माण को मंजूरी देने के बाद आया है। इस 160.18 लंबे राजमार्ग का निर्माण दो चरणों में किया जाएगा और इसकी अनुमानित लागत 8,300.79 करोड़ रुपए है। माझी ने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में कहा, ‘‘माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति द्वारा रामेश्वर से पारादीप तक 8,300 करोड़ रुपए के तटीय राजमार्ग को मंजूरी मिलने के साथ ही ओडिशा के अवसंरचना विकास में एक नया अध्याय शुरू हो गया है।

ममता बनर्जी ने चप्पल पहनकर अंबेडकर को श्रद्धांजलि देकर उनका अपमान किया : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर डॉ. भीमराव अंबेडकर का ‘‘अपमान’’ करने का आरोप लगाया। पार्टी का आरोप है कि एक वीडियो में वह जूते-चप्पल पहने हुए अंबेडकर को पुष्पांजलि अर्पित करती दिखाई दे रही हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने ‘एक्स’ पर एक छोटा वीडियो साझा करते हुए कहा कि अंबेडकर का ‘‘अपमान’’ करना ही तृणमूल कांग्रेस की पहचान बन गया है। उन्होंने कहा, ‘‘अंबेडकर जी का अपमान करना ही तृणमूल कांग्रेस की एकमात्र पहचान है। तृणमूल कांग्रेस ने अंबेडकर जी का अपमान किया है। जिस तरह ममता बनर्जी ने अंबेडकर जी को पुष्पांजलि अर्पित करते समय अपनी चप्पल तक उतारने की जरूरत नहीं समझी, वह तृणमूल, ममता बनर्जी और उनके परिवार की मानसिकता को दर्शाता है।’’ भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि तृणमूल ने बार-बार डॉ. अंबेडकर के आदर्शों और सिद्धांतों के विपरीत काम किया है। पूनावाला ने दावा किया, ‘‘वे हमेशा अंबेडकर जी का अपमान करते हैं। उन्होंने अंबेडकर जी की सोच के विपरीत मुस्लिम आरक्षण की मांग की है। वे संवैधानिक नियमों के खिलाफ गए हैं। उन्होंने न्यायपालिका और निर्वाचन आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं को अपमानित किया है।’’ इस विवाद को तृणमूल के खिलाफ भाजपा की व्यापक आलोचना से जोड़ते हुए पूनावाला ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस वोट बैंक की राजनीति के लिए संवैधानिक मूल्यों की अनदेखी करती है।

नेपाल की सत्तारूढ़ पार्टी के प्रमुख रवि लामिछाने ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नेपाल की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के अध्यक्ष रवि लामिछाने ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की।

इस मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने नेपाल को भारत का प्राथमिकता वाला साझेदार बताते हुए कहा कि नई दिल्ली देश की नई सरकार के साथ सहयोग करने के लिए उत्सुक है।

प्रधानमंत्री ने ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में कहा कि लामिछाने से मुलाकात करके उन्हें प्रसन्नता हुई। उन्होंने कहा, ‘‘मैं साझा और समृद्ध भविष्य के लिए मिलकर काम करने की उनकी इच्छा का स्वागत करता हूं और उससे पूरी तरह सहमत हूं। नेपाल हमारी ‘पड़ोसी पहले’ नीति के तहत एक प्राथमिकता वाला साझेदार है और हम दोनों देशों के बीच विशेष और बहुआयामी संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए नई सरकार के साथ सहयोग करने के लिए तत्पर हैं।’’

लामिछाने के नेतृत्व में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नितिन नवीन के निमंत्रण पर भारत की यात्रा पर है। यह प्रतिनिधिमंडल सोमवार दोपहर नई दिल्ली पहुंचा था।

किसके संरक्षण के चलते मंत्री पद पर बने हुए हैं धर्मेंद्र प्रधान: कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बुधवार को सवाल किया कि शिक्षा मंत्रालय की ‘‘अक्षमता और भ्रष्टाचार’’ के सबूत सामने आने के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी धर्मेंद्र प्रधान को क्यों बचा रहे हैं और किसके संरक्षण के चलते यह सब हो रहा है ? पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि शिक्षा मंत्रालय और सीबीएसई के स्तर पर जवाबदेही का स्पष्ट अभाव है। रमेश ने पोस्ट किया, ‘‘सीबीएसई के शीर्ष अधिकारियों को भले ही स्थानांतरित कर दिया गया हो, लेकिन मंत्री प्रधान पद पर बने रहने के लिए बेशर्मी से एड़ी-चोटी का जोर लगा रहे हैं, जबकि उनके मंत्रालय की अक्षमता और भ्रष्टाचार के सबूत सामने आ चुके हैं।’’ उनके मुताबिक, खबरों से पता चला है कि दिग्विजय सिंह की अध्यक्षता वाली शिक्षा संबंधी संसदीय समिति के समक्ष सीबीएसई के अधिकारी अपनी ऑन स्क्रीन मार्किंग सेवा के अनुबंध के संबंध में उठाए गए सवालों का जवाब नहीं दे सके। कांग्रेस नेता का कहना है कि यह सीबीएसई और शिक्षा मंत्रालय के उच्चतम स्तर पर जवाबदेही का स्पष्ट अभाव है।

उप्र : करीब पच्चीस साल से फरार लूट का आरोपी एआई की मदद से गिरफ्तार

आगरा (उप्र)/भाषा। आगरा जिले में पुलिस ने लूट के एक मामले में पिछले करीब 25 साल से फरार एक आरोपी को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की मदद से गिरफ्तार कर लिया है। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। अधिकारियों के मुताबिक सोमवार को गिरफ्तार किया गया सैमुअल आठ नवंबर 2002 को लोहा मंडी इलाके में हुई लूट की एक घटना के मामले में वांछित था, जिसे उसने अपने दो साथियों की मदद से अंजाम दिया था। उन्होंने बताया कि उसके बाद से वह फरार था। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी पर 50 हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया गया था। पुलिस उपायुक्त (नगर) अली अब्बास ने बुधवार को बताया कि लूट के मामले में आरोपी सैमुअल को पुलिस कई वर्षों से तलाश कर रही थी लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल पा रहा था लेकिन इसी बीच पुलिस को सैमुअल की 25 साल पुरानी एक तस्वीर मिली थी जिसे एआई की मदद से कई सोशल मीडिया मंचों पर तलाशा गया।

पटना में खान सर के कोचिंग संस्थान में तोड़फोड़-पथराव, तीन गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार की राजधानी पटना में ‘खान सर’ के नाम से मशहूर शिक्षक फैसल खान के कोचिंग संस्थान में कथित तोड़फोड़ और पथराव के सिलसिले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में एक प्रतिद्वंद्वी कोचिंग संस्थान का निदेशक भी शामिल है।

पटना के कदमकुआं थाना क्षेत्र स्थित ‘खान ग्लोबल कोचिंग इंस्टीट्यूट’ में मंगलवार रात कुछ असामाजिक तत्वों ने कथित तौर पर तोड़फोड़ और पथराव किया था। खान ने शुरुआत में दावा किया था कि संस्थान पर गोलीबारी भी हुई थी, लेकिन पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की। बाद में खान ने कहा कि जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि वास्तव में क्या हुआ था। पुलिस अधीक्षक (शहर) कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया, मंगलवार रात लगभग 10:10 बजे कदमकुआं थाना क्षेत्र में ‘खान ग्लोबल कोचिंग इंस्टीट्यूट’ में पथराव और संपत्ति को नुकसान पहुंचाए जाने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। बयान के मुताबिक, शुरुआती जांच और सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल में सामने आया है कि पटना स्थित एक अन्य कोचिंग संस्थान से जुड़े 15-20 लोग कथित तौर पर पथराव और तोड़फोड़ की घटना में शामिल थे। घटना के बाद मौके पर पहुंचे खान ने कहा था, पास के एक कोचिंग संस्थान से जुड़े कुछ असामाजिक तत्वों ने बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाया, हमारे सुरक्षागार्ड की बुरी तरह से पिटाई की और गोलियां भी चलाईं। उनकी नाराजगी इस बात को लेकर है कि कोई व्यक्ति इतनी कम फीस में छात्रों को कैसे पढ़ा सकता है और हर साल इतने अच्छे परिणाम कैसे दे सकता है।

गुरुग्राम: गोमांस पकाने का वीडियो अपलोड करने पर बंगाली महिला गिरफ्तार

गुरुग्राम/भाषा। हरियाणा की गुरुग्राम पुलिस ने उस महिला को गिरफ्तार कर लिया है जिसने एक वीडियो अपलोड कर दावा किया था कि उसने पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री के लिए गोमांस पकाया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि गुरुग्राम के चक्करपुर गांव में घरेलू सहायिका के तौर पर काम करने वाली पश्चिम बंगाल के दिनाजपुर की निवासी ज्योत्सना बीबी को कथित रूप से धार्मिक भावना आहत करने को लेकर गिरफ्तार किया गया है तथा उसका मोबाइल फोन जब्त कर लिया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि 30 मई को चक्करपुर पुलिस चौकी को कथित तौर पर गोमांस पकाने से संबंधित एक वीडियो के बारे में जानकारी मिली।

चक्करपुर गांव के निवासी दिनेश यादव ने पुलिस से शिकायत करते हुए वीडियो दिखाया जिसमें संबंधित महिला कथित तौर पर यह कहती दिखी, ‘‘मैंने आपके (पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री) लिए कुछ गोमांस पकाया है। आपने मुझे इस बार कुर्बानी नहीं करने दी।’’

बिहार में 11 मेगा औद्योगिक पार्क और सभी 38 जिलों में फूड पार्क बनाए जाएं : सम्राट चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने औद्योगिक विकास को गति देने और रोजगार सृजन में मदद के लिए अधिकारियों को राज्य में 11 मेगा औद्योगिक पार्क और सभी 38 जिलों में फूड पार्क विकसित करने का बुधवार को निर्देश दिया। सम्राट ने बिहार को निवेशकों के लिए आकर्षक गंतव्य बनाने के लिए 50 हजार एकड़ का ‘लैंड बैंक’ तैयार करने को भी कहा।

पटना स्थित ‘संकल्प सभागार’ में उद्योग विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में सम्राट ने कहा कि बिहार औद्योगिक विकास के जरिये ही समृद्धि के रास्ते पर आगे बढ़ेगा और उसकी तस्वीर बदली जा सकेगी। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य उद्योग, निवेश और रोजगार के क्षेत्र में बिहार को नई ऊंचाई तक पहुंचाना है। बैठक में उद्योग विभाग के अधिकारियों ने राज्य में औद्योगिक विकास, निवेशकों को आकर्षित करने और रोजगार सृजन के लिए संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति रिपोर्ट पेश की।

मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, सम्राट ने अधिकारियों से कहा कि औद्योगिक परियोजनाओं के लिए जमीन की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए और 50 हजार एकड़ का ‘लैंड बैंक’ विकसित किया जाए। उन्होंने कहा कि बिहार में संसाधनों की कमी नहीं है और निवेशकों को उद्योग स्थापित करने के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने उद्योगपतियों, औद्योगिक संगठनों और उद्यमियों के साथ नियमित संवाद कायम रखने तथा उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बिहार को ‘व्यापार सुगमता’ के क्षेत्र में अग्रणी राज्यों में शामिल करने के लिए प्रक्रियाओं को और सरल एवं पारदर्शी बनाया जाए तथा उद्योगों से संबंधित सभी अनुमतियां एवं सुविधाएं समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराई जाएं।

सम्राट ने कहा कि ग्रामीण स्तर पर उद्यमिता और स्वरोजगार को बढ़ावा दिया जाए तथा स्थानीय युवाओं को उद्योग स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने खाद्य प्रसंस्करण, कपड़ा, फार्मा तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्रों में मौजूद संभावनाओं का अधिकतम इस्तेमाल करने का निर्देश दिया।

सम्राट ने बिहार में कपड़ा औद्योगिक केंद्र की स्थापना की दिशा में तेजी से काम करने और स्टार्टअप पारिस्थितिकी को मजबूत कर युवाओं के लिए नये अवसर सृजित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नई औद्योगिक इकाइयों को निर्धारित प्रोत्साहन राशि समय पर उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

सम्राट ने संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर उद्योगों के लिए आवश्यक भूमि उपलब्ध कराने की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने जिलाधिकारियों से भूमि अधिग्रहण के मामलों में लोगों से संवाद कर उचित मुआवजा सुनिश्चित करने को भी कहा।

वैभव खास प्रतिभा, खुद में कोई बदलाव नहीं करें : विराट के कोच राजकुमार शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सुपरस्टार विराट कोहली के कोच राजकुमार शर्मा ने वैभव सूर्यवंशी की टी20 प्रारूप में दुर्लभ प्रतिभा के रूप में सराहना करते हुए उनसे अपने खेल में कोई बदलाव नहीं करने का आग्रह किया।

पंद्रह वर्षीय खिलाड़ी सूर्यवंशी के लिए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का दूसरा सत्र शानदार रहा और राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए 776 रन के साथ वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। इस प्रदर्शन से उन्हें भारतीय टीम में शामिल करने की बातें तेज हो गई हैं।

शर्मा ने पीटीआई से कहा, ‘‘वह निस्संदेह एक असाधारण प्रतिभा है। वह जिस तरह से इस आईपीएल में खेला, वह उल्लेखनीय है। जिस तरह से उसने सभी प्रथम श्रेणी, अंतरराष्ट्रीय और विश्व स्तरीय गेंदबाजों की धुनाई की है, वह सराहनीय है और मुझे कहना होगा कि वह एक विशेष प्रतिभा है। वैभव बहुत अच्छा खेलता है।’’ उन्होंने कहा, ‘‘वह जिस तरह से निर्भीक क्रिकेट खेलता है, उसने जिस तरह से विश्व स्तरीय गेंदबाजों की धुनाई की है, वह सराहनीय है। जिस तरह से उसने छक्के मारे हैं, वह अविश्वसनीय है, टी20 क्रिकेट के लिए वह शानदार है।’’

जब शर्मा से पूछा गया कि एक कोच के रूप में वह उन्हें क्या सलाह देना चाहेंगे,

तो उन्होंने कहा, ‘‘वह टी20 खेल रहा है इसलिए मैं कहूंगा कि कुछ भी मत बदलो। बस जाओ और ऐसे ही खेलो, जैसे तुम खेल रहे हो।’’ उन्होंने कहा, ‘‘जबरदस्त क्रिकेट खेल रहे हो, गेंद को मारते रहो और लोगों का मनोरंजन करते रहो। जहां तक टेस्ट क्रिकेट खेलने की बात है तो मैंने उसे इतना नहीं देखा है कि यह बता सकूं कि वह कितना परिपक्व है, वह अपना खेल कैसे बदल सकता है, वह गेंद को ऑफ स्टंप के बाहर कैसे छोड़ सकता है या वह स्विंग गेंदबाजी कैसे खेल सकता है। लेकिन अभी मैं चाहता हूं कि वह जिस तरह से खेल रहा है, उसे जारी रखे।’’

जब उनसे उनके शिष्य कोहली के 15 साल की उम्र में क्रिकेट खेलने के तरीके और सूर्यवंशी के बीच तुलना के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ‘‘मैं लोगों की तुलना करने में विश्वास नहीं करता। विराट ने पिछले 18 वर्षों में जो किया है, मेरा मतलब है कि यह एक बहुत लंबी अवधि है जब वह इतने निरंतर रहे हैं।’’ उन्होंने कहा, ‘‘लेकिन वैभव को देखकर लगता है कि वह बहुत प्रतिभाशाली लड़का है। लेकिन हमने उसे केवल इसी प्रारूप में खेलते हुए देखा है। हमने अभी तक उसे बड़े प्रारूपों में खेलते हुए नहीं देखा है।’’

शर्मा ने कहा, ‘‘विराट (सूर्यवंशी से) एक अलग खिलाड़ी हैं। वह अब महान खिलाड़ी हैं जो उन्होंने कई मैच जीतकर साबित किया है। किसी भी भारतीय ने भारत के लिए इतने मैच नहीं जीते हैं जितने विराट ने जीते हैं और यही कारण है कि उन्हें इतना प्यार किया जाता है। यहां हम एक उभरते सितारे (सूर्यवंशी) को देख रहे हैं और हम वास्तव में उसे आगे बढ़ते हुए देखना पसंद करेंगे।’’ सूर्यवंशी की फिटनेस पर उन्होंने कहा, ‘‘फिटनेस आ जाएगी। वह अब भी बच्चा है।’’

सुविचार

सिर्फ बैठ कर सोचने से
कोई मंज़िल नहीं मिलती,
पैरों को भी थोड़ा कष्ट देना पड़ता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ऐसा कब तक चलेगा?

दिल्ली के मालवीय नगर में स्थित एक होटल में भीषण आग लगने से 20 से ज्यादा लोगों की मौत होना अत्यंत दु:खद है। किसी ने नहीं सोचा होगा कि आग की लपटों में इस तरह इन्सानी जानें भस्म हो जाएंगी। हमारे देश में आए दिन ऐसे हादसे हो रहे हैं। कहीं आग लग जाती है, तो कहीं इमारत ढह जाती है। उनमें आम लोग मरते हैं। हादसे के बाद सोशल मीडिया पर तस्वीरें वायरल होती हैं। जनता आक्रोश जताती है। कुछ अधिकारियों का निलंबन होता है। मुआवजे की घोषणा कर दी जाती है। उसके बाद सबकुछ शांत! फिर किसी नए हादसे का इंतजार होता है। आखिर, ऐसा कब तक चलेगा? दिल्ली का जो होटल आग की चपेट में आया, वहां निर्माण संबंधी अनुमति को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। अगर किसी ने नियमों का उल्लंघन करते हुए ज्यादा मंजिलें बना दीं तो उस समय अधिकारी क्या कर रहे थे? क्या वे तमाशबीन बने हुए थे? सवाल सिर्फ इस एक हादसे का नहीं है। जब भी कहीं आग लगती है, इमारत ढहती है तो यह बिंदु सामने आता है। अधिकारी समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं करते? वे उस समय कहां व्यस्त रहते हैं? अगर अधिकारी अपना कर्तव्य ठीक ढंग से निभाएं, नियम-विरुद्ध काम करने की अनुमति किसी स्थिति में न दें तो ऐसे हादसों को काफी हद तक टाला जा सकता है। सरकार भी ऐसे अधिकारियों को सिर्फ निलंबित करती है। यह कोई सजा नहीं है। बाद में, ये वापस बहाल हो जाते हैं। ऐसे मामलों में सख्ती से जांच होनी चाहिए। जो अधिकारी दोषी पाया जाए, उसे नौकरी से बर्खास्त करना चाहिए। उसकी संपत्ति की जांच होनी चाहिए। कोई अधिकारी इतना लापरवाह और भ्रष्ट है कि उसके कारण लोगों को जान गंवानी पड़ रही है तो उसके लिए उचित जगह दफ्तर नहीं, बल्कि जेल है।

कुछ दिन बाद जब मानसून अपनी पूरी ताकत के साथ आएगा तो कई इलाकों से हादसों की खबरें आएंगी। यह कोई नई बात नहीं है। ऐसा हर साल होता है। कहीं राह चलते लोग गड्ढे में गिर जाते हैं। कोई शख्स अपना परिवार पालने के लिए नौकरी करने जाता है, लेकिन बीच रास्ते में करंट के कारण जान गंवा बैठता है। कहीं आवारा पशु किसी वाहन से टकरा जाता है। कहीं सड़क इतनी खराब है कि वहां गिरने से कई लोगों के हाथ-पांव टूटते हैं। क्या हम पहले से अनुमान लगाकर इन हादसों को टालने के लिए उचित कदम नहीं उठा सकते? यह कोई बहुत मुश्किल काम नहीं है। कहां हादसे होते हैं, कहां कैसी समस्या है - अधिकारी इन बातों से अपरिचित नहीं हैं। उन्हें थोड़ी इच्छाशक्ति दिखानी होगी। आग लगने के बाद कार्रवाई करने से कहीं बेहतर है, आग लगने की आशंका को कम या खत्म कर दें। कई बार ऐसी खबरें आती हैं कि किसी इलाके में आग लगी तो दमकल बुलाई गई, लेकिन वाहन को आगे आने में परेशानी हुई, क्योंकि रास्ता ही नहीं था। अधिकारी आंखें मूंदे रहे और लोग अतिक्रमण करते रहे। जो रास्ता कभी वाहनों के लिए छोड़ा गया था, उस पर इतनी दीवारें खड़ी कर दी गईं कि अब राहगीर सही-सलामत निकल जाए, यही काफी है। कई दुकानदार अपनी दुकान के आगे सामान की नुमाइश लगाते हैं। वे उसे इतनी आगे बढ़ा देते हैं कि रास्ता अवरुद्ध हो जाता है। इससे वाहनों के निकलने के लिए पर्याप्त जगह नहीं बचती। कई बार लड़ाई-झगड़े होते हैं, लेकिन हालात नहीं बदलते। प्रशासन अतिक्रमण हटाने के नाम पर कोई अभियान चलाता है तो कुछ दिन नुमाइश नहीं लगती। उसके बाद वही ढाक के तीन पात! इस तरह हादसे नहीं रुकेंगे, बल्कि बढ़ते जाएंगे। इन्हें रोकने के लिए अधिकारियों को नियमों का सख्ती से पालन कराना होगा। इस काम में आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करें और लोगों की जान बचाएं।

ट्वीटर टॉक

साइकिल केवल एक साधन नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन, स्वच्छ पर्यावरण और सशक्त समाज की पहचान है। प्रदेश में हमारी सरकार द्वारा 14.50 लाख बालिकाओं को साइकिल वितरण की पहल ने बेटियों के लिए शिक्षा के नए द्वार खोले।

-वसुंधरा राजे

आज टूरिज्म, आर्ट एंड कल्चर और आर्कियोलॉजी डिपार्टमेंट के अधिकारियों की एक मीटिंग टूरिज्म भवन में हुई, जिसमें डिपार्टमेंट की स्कीम, बड़े प्रोजेक्ट, आने वाले एक्शन प्लान और बजट घोषणाओं को लागू करने का डिटेल में रिव्यू किया गया।

-दिया कुमारी

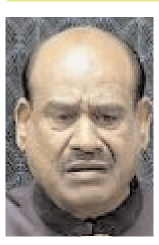

कोटा संसदीय क्षेत्र के सुल्तानपुर-इटावा इलाके में, एक मल्टी-पर्पस इनडोर स्पोर्ट्स स्टेडियम समेत पब्लिक सुविधाओं से जुड़े कई डेवलपमेंट प्रोजेक्टस का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया। खेलो इंडिया स्कीम के तहत, ग्रामीण इलाकों में बनाए जा रहे है ।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

प्रकृति में सेहत

एक संत अपने शिष्य के साथ वन में भ्रमण कर रहे थे। उन्होंने देखा कि सामने से कुलांचें भरता हिरण आया और गायब हो गया। कुछ ही क्षणों के बाद खरगोश का जोड़ा मस्ती के साथ दौड़ता नजर आया। इसी बीच एक व्यक्ति हाथ में लाठी लिए हुए उधर से निकला। उससे बड़ी मुश्किल से चला जा रहा था। झुर्रियों से भरा उसका पीला चेहरा देखकर शिष्य दुखी हो उठा। उसने संत जी से पूछा, 'महाराज! हिरण, खरगोश तथा अन्य पशु-पक्षी कभी बीमार होते नहीं देखे। मस्ती में कुलाचें भरते दिखाई पड़ते हैं। जबकि मनुष्य प्राय: किसी न किसी बीमारी से ग्रस्त देखे जाते हैं। इसका मुख्य कारण क्या है?' संत जी ने शिष्य को समझाया, 'वत्स, पशु-पक्षी प्रकृति के अनुसार चलते हैं। खरगोश, हिरण आदि भूख लगने पर स्वाद की चिंता किए बिना हरी-हरी घास खाकर पेट भर लेते हैं। दौड़-दौड़कर खाया-पिया पचा लेते हैं। इसलिए कभी बीमार नहीं होते हैं। जबकि मानव ने 'जीने के लिए खाने' के लक्ष्य की जगह ' तरह-तरह के सुस्वादु और चटपटे पदार्थ खाने के लिए जीना' अपना लक्ष्य बना लिया है। जिह्वा व अन्य इंद्रियों पर नियंत्रण न रख पाना ही मनुष्य की शारीरिक व मानसिक विकृति का मुख्य कारण बना हुआ है।'

सामयिक

नशा : राष्ट्र की जड़ों को खोखला करने वाली चुनौती

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

> आज पंजाब, जम्मू-कश्मीर और अन्य प्रभावित राज्यों के लिए नशामुक्ति केवल सामाजिक सुधार का कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्र निर्माण का विषय बन चुका है। यह लड़ाई केवल सरकार या पुलिस नहीं जीत सकती। परिवार, विद्यालय, धार्मिक संस्थाएं, सामाजिक संगठन, मीडिया और जागरूक नागरिकों को मिलकर इसे जनआंदोलन बनाना होगा। जिस प्रकार स्वच्छ भारत अभियान ने जनभागीदारी से सफलता प्राप्त की, उसी प्रकार नशामुक्त भारत का सपना भी सामूहिक संकल्प और निरंतर प्रयासों से ही साकार हो सकता है। भारत की युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी संपदा है।

भारत आज विश्व की सबसे युवा आबादी वाले देशों में अग्रणी है। देश की लगभग 65 प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। यह युवा शक्ति भारत की सबसे बड़ी सामर्थ्य, सबसे बड़ी पूंजी और उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। विज्ञान, तकनीक, उद्योग, शिक्षा, खेल और नवाचार के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों के पीछे इसी युवा शक्ति का योगदान है। किंतु विडंबना यह है कि आज यही युवा वर्ग नशे के बढ़ते जाल में फंसता जा रहा है। नशा अब केवल व्यक्तिगत कमजोरी या स्वास्थ्य संबंधी समस्या नहीं रह गया है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता, आर्थिक विकास और सांस्कृतिक मूल्यों के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। देश के विभिन्न भागों में समय-समय पर करोड़ों और अरबों रुपये मूल्य के मादक पदार्थों की बरामदगी यह प्रमाणित करती है कि नशे का कारोबार संगठित अपराध का एक विशाल अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क बन चुका है। विशेष रूप से पंजाब, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, गुजरात तथा पूर्वोत्तर राज्यों में सीमापार से होने वाली तस्करी ने स्थिति को और अधिक गंभीर बना दिया है। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा लगातार हेरोइन, अफीम, चरस, कोकीन तथा सिंथेटिक ड्रग्स की बड़ी खेपों को पकड़ा जाना इस बात का संकेत है कि भारत को नशे के बड़े बाजार के रूप में देखा जा रहा है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो तथा विभिन्न सरकारी रिपोर्टों के अनुसार देश में लाखों युवा किसी न किसी प्रकार के मादक पदार्थों के सेवन के आदी हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा कराए गए एक व्यापक अध्ययन में यह तथ्य सामने आया था कि करोड़ों भारतीय तंबाकू, शराब और अन्य नशीले पदार्थों का सेवन करते हैं तथा उनमें बड़ी संख्या युवाओं की है। चिंता की बात यह है कि स्कूल और कॉलेज स्तर तक नशे की पहुंच बढ़ रही है। अनेक राज्यों में ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां किशोरों को ड्रग्स के वितरण और तस्करी में इस्तेमाल किया गया। नशे के बढ़ते संकट का एक राष्ट्रीय सुरक्षा पक्ष भी है। अनेक सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान प्रत्यक्ष युद्ध में लगातार असफल होने के बाद भारत को अस्थिर करने के लिए आतंकवाद, नकली मुद्रा और नशे की तस्करी जैसे छद्म युद्ध के हथियारों का उपयोग करता रहा है। पंजाब में लंबे समय से सीमा पार से ड्रोन और अन्य माध्यमों द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी के मामले सामने आते रहे हैं। अब जम्मू-कश्मीर में भी नशे के बढ़ते प्रभाव को इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जा रहा है। आतंकवाद की कम होती गतिविधियों के बीच नशे का फैलाव एक नए खतरे के रूप में उभर रहा है, जिसका उद्देश्य युवा पीढ़ी को कमजोर करना और समाज की ऊर्जा को नष्ट करना है।

इसी संदर्भ में जम्मू-कश्मीर में प्रारंभ किया गया नशामुक्त जम्मू-कश्मीर' अभियान महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के नेतृत्व में चल रहा यह अभियान प्रशासनिक कार्रवाई के साथ-साथ सामाजिक सहभागिता पर भी बल देता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों, धार्मिक समूहों तथा आम नागरिकों को जोड़ने का प्रयास किया गया है। कुलगाम सहित कई क्षेत्रों में विभिन्न समुदायों द्वारा इस अभियान को समर्थन दिया जाना इस बात का संकेत है कि नशे जैसी समस्या का समाधान सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। वास्तव में नशे का सबसे दुखद और भयावह प्रभाव युवा पीढ़ी पर पड़ता है। युवा जीवन ऊर्जा, सृजन और सपनों का प्रतीक होता है, किंतु नशा इन सभी संभावनाओं को नष्ट कर देता है। एक बार नशे की गिरफ्त में आने के बाद व्यक्ति धीरे-धीरे अपनी शारीरिक क्षमता, मानसिक संतुलन, आर्थिक स्थिति और सामाजिक प्रतिष्ठा खोने लगता है। उसका आत्मविश्वास कमजोर पड़ जाता है और वह अवसाद, तनाव तथा अपराध की दुनिया की ओर बढ़ सकता है। यही कारण है कि नशा केवल व्यक्ति को नहीं, पूरे परिवार को प्रभावित करता है। परिवार की आर्थिक स्थिति बिगड़ती है, पारिवारिक संबंध टूटते हैं और सामाजिक जीवन में अस्थिरता बढ़ती है।

नशे के विस्तार के पीछे केवल तस्करी जिम्मेदार नहीं है। इसके सामाजिक, आर्थिक और मनोवैज्ञानिक कारण भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। बेरोजगारी, भविष्य की अनिश्चितता, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, पारिवारिक तनाव, सामाजिक विघटन, अकेलापन, मानसिक अवसाद और गलत संगति युवाओं को नशे की ओर धकेलती है। आधुनिक उपभोक्तावादी संस्कृति ने भी कृत्रिम सुख और त्वरित आनंद की मानसिकता को बढ़ावा दिया है। जब जीवन में लक्ष्य, दिशा और सकारात्मक प्रेरणा का अभाव होता है, तब व्यक्ति नशे जैसे विनाशकारी विकल्पों की ओर आकर्षित हो सकता है।

नशे और अपराध का संबंध भी अत्यंत गहरा है। अनेक अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि चोरी, लूट, हिंसा, सड़क दुर्घटनाओं और अन्य अपराधों के पीछे नशे की भूमिका बढ़ती जा रही है। नशे की डोज प्राप्त करने के लिए युवा अपराध की राह पर उतर जाते हैं। इससे कानून-व्यवस्था प्रभावित होती है और समाज में असुरक्षा का वातावरण बनता है। सरकारें इस चुनौती से निपटने के लिए अनेक स्तरों पर प्रयास कर रही हैं। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, राष्ट्रीय जांच एजेंसी, सीमा सुरक्षा बल तथा राज्य पुलिस की संयुक्त कार्रवाइयों से कई बड़े ड्रग नेटवर्क ध्वस्त किए गए हैं। पंजाब, राजस्थान, गुजरात और जम्मू-कश्मीर में विशेष अभियान चलाकर तस्करों पर शिकंजा कसा गया है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि नशे के विरुद्ध बहुआयामी रणनीति अपनाई जाए। सीमाओं पर निगरानी और तकनीकी सुरक्षा को और मजबूत किया जाए। ड्रोन के माध्यम से होने वाली तस्करी को रोकने के लिए आधुनिक उपकरणों का उपयोग बढ़ाया जाए।

नशा तस्करों के विरुद्ध त्वरित न्यायिक प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए ताकि अपराधियों में कानून का भय पैदा हो। स्कूलों और कॉलेजों में नशा विरोधी शिक्षा को नियमित पाठ्यक्रम और गतिविधियों का हिस्सा बनाया जाए। युवाओं के लिए रोजगार, खेल, कौशल विकास और सांस्कृतिक गतिविधियों के अवसर बढ़ाए जाएं ताकि उनकी ऊर्जा सकारात्मक दिशा में प्रवाहित हो सके। इसके साथ ही पुनर्वास केंद्रों की संख्या और गुणवत्ता में भी सुधार आवश्यक है।

आज पंजाब, जम्मू-कश्मीर और अन्य प्रभावित राज्यों के लिए नशामुक्ति केवल सामाजिक सुधार का कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्र निर्माण का विषय बन चुका है। यह लड़ाई केवल सरकार या पुलिस नहीं जीत सकती। परिवार, विद्यालय, धार्मिक संस्थाएं, सामाजिक संगठन, मीडिया और जागरूक नागरिकों को मिलकर इसे जनआंदोलन बनाना होगा। जिस प्रकार स्वच्छ भारत अभियान ने जनभागीदारी से सफलता प्राप्त की, उसी प्रकार नशामुक्त भारत का सपना भी सामूहिक संकल्प और निरंतर प्रयासों से ही साकार हो सकता है। भारत की युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी संपदा है। यदि यह शक्ति नशे की गिरफ्त में चली गई तो राष्ट्र की प्रगति बाधित होगी, लेकिन यदि इसे स्वस्थ, संस्कारित, जागरूक और लक्ष्यनिष्ठ बनाया गया तो भारत विश्व के सामने एक नई शक्ति के रूप में उभरेगा। इसलिए नशे के विरुद्ध संघर्ष केवल एक सामाजिक अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य को सुरक्षित करने का संकल्प है।

नजरिया

साइबर सुरक्षा का नया सच : जितना भरोसा, उतना बड़ा जोखिम

प्रो. आरके जैन अरिजीत

आज हमारी बैंकिंग, निवेश, सरकारी सेवाएं, सामाजिक संपर्क और व्यावसायिक गतिविधियां पासवर्डों की सुरक्षा पर निर्भर हैं। इसी कारण पासवर्ड मैनेजर्स को डिजिटल सुरक्षा का सबसे भरोसेमंद साधन माना जाने लगा। करोड़ों लोगों ने विश्वास कर लिया कि एक मजबूत मास्टर पासवर्ड उनकी पूरी डिजिटल पहचान की रक्षा कर सकता है। किंतु बीते दो वर्षों की घटनाओं ने इस धारणा को झकझोर दिया है। जून 2025 में 16 अरब लॉगिन सूचनाओं के अभूतपूर्व लीक और फरवरी 2026 में ईटीएच ज्यूरिख तथा यूएसआई लुगानो के शोधकर्ताओं द्वारा बिटवार्डन, लास्टपास, डैशलेन और वनपासवर्ड में 27 गंभीर कमजोरियों के खुलासे ने सुरक्षा के दावों पर प्रश्नचिह्न लगा दिया। अब प्रश्न यह है कि क्या पूरी डिजिटल सुरक्षा किसी एक व्यवस्था के भरोसे छोड़ी जा सकती है।

असल संकट टेक्नोलॉजी से ज्यादा ट्रस्ट का है। आज भी लगभग 94 प्रतिशत पासवर्ड्स अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर रिपीट हो रहे हैं, जबकि पासवर्ड मैनेजर्स का प्रयोग सिर्फ करीब 30 परसेंट यूज़र्स ही कर रहे हैं। इन्हें अपनाने वाले यूज़र्स जीरो-नॉलेज एन्क्रिप्शन' को फाइनल सिक्योरिटी शील्ड मान लेते हैं। लेकिन हालिया अध्ययनों ने इस ट्रस्ट की परतें उधेड़ दी हैं। मैलिशियस सर्वर, की-मैनेजमेंट की वीकनेस और रिकवरी सिस्टम्स की खामियां मिलकर अटैकर्स को पूरे वॉल्ट तक पहुंचने का रास्ता दे सकती हैं। ऐसे में पासवर्ड्स सिर्फ लीक ही नहीं होते, बल्कि बदले और चोरी भी किए जा सकते हैं।

इससे स्पष्ट है कि जो सिक्योरिटी अटूट दिखती है, उसकी फाउंडेशन भी उतनी मजबूत नहीं जितनी समझी जाती है। सबसे बड़ा प्रश्न तब खड़ा होता है, जब सुरक्षा का ट्रस्ट ही रिस्क में बदलने लगे। पासवर्ड मैनेजर्स आज इसी चैलेंज से घिरे हैं। पहले एक अकाउंट का पासवर्ड चोरी होने पर नुकसान सीमित रहता था, लेकिन अब एक वॉल्ट में सेंध पूरी डिजिटल आइडेंटिटी को खतरे में डाल सकती है। लास्टपास का 2022 का डेटा उल्लंघन इसका बड़ा उदाहरण है, जिसके प्रभाव 2025-26 तक क्रिप्टो अकाउंटस से फंड विदड्रॉल के रूप में दिखाई देते रहे। वहीं 2025 में इन्फोस्टीलर मालवेयर ने 1.8 बिलियन लॉगिन क्रेडेंशियल्स चुरा लिए। साइबर क्रिमिनल्स अब पासवर्ड मैनेजर कंपनियों के नाम पर फेक कैंपेन चलाकर यूज़र्स को नकली लॉगिन पेजेज तक पहुंचा रहे हैं। सुरक्षा का प्रहरी आज स्वयं अटैकर्स के निशाने पर है।

असल चुनौती हमारी सुरक्षा संबंधी पुरानी सोच में छिपी है। अधिकांश लोग मानते हैं कि एक मजबूत मास्टर पासवर्ड ही पर्याप्त सुरक्षा दे सकता है, जबकि साइबर अटैक्स कहीं अधिक एडवांस्ड हो चुके हैं। डिवाइस-लेवल कीलॉगर, ब्राउज़र की कमजोरियां, सप्लाई-चेन अटैक्स और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर पर आक्रमण नए खतरे बनकर उभरे हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार शेयरिंग सिस्टम और पब्लिक-की ऑथेंटिकेशन की कमियां पूरे ग्रुप वॉल्ट को रिस्क में डाल सकती हैं। ज़ीरो-नॉलेज' भी तभी तक प्रभावी है, जब तक सर्वर और उसकी प्रोसेसेज़ विश्वसनीय रहें। यदि आधारभूत ढांचा ही समझौता कर ले, तो एन्क्रिप्शन की सबसे मजबूत दीवार भी बेअसर हो सकती है। यही सच बताता है कि साइबर सिक्योरिटी में कोई भी टेक्नोलॉजी अजेय नहीं होती। इसके बावजूद पासवर्ड मैनेजर्स को खारिज करना समाधान नहीं होगा। वास्तविकता यह है कि लगभग 80 प्रतिशत डेटा उल्लंघनों की जड़ पासवर्ड्स का दोहराव है। पासवर्ड मैनेजर्स हर प्लेटफॉर्म के लिए अलग और जटिल पासवर्ड बनाकर इस खतरे को काफी हद तक कम करते हैं। ऑटो-फिल, सिक्योरिटी अलर्ट, डार्क वेब मॉनिटरिंग और सेंट्रलाइज्ड मैनेजमेंट जैसी सुविधाएं उनकी उपयोगिता बढ़ाती हैं। बिटवार्डन की ओपन-सोर्स ट्रांसपेरेंसी तथा वनपासवर्ड और नॉर्डपास द्वारा पासकी टेक्नोलॉजी को अपनाना भविष्य की दिशा का संकेत है। इसलिए जरूरत इन्हें छोड़ने की नहीं, बल्कि अधिक सुरक्षित और समझदारी से अपनाने की है।

साइबर सुरक्षा का अगला दौर धीरे-धीरे पासवर्ड-लेस व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। पासकी टेक्नोलॉजी क्रिप्टोग्राफिक कीज पर आधारित है, जिन्हें पारंपरिक पासवर्ड्स की तुलना में चुराना या ब्रेक करना कहीं अधिक कठिन माना जाता है। यही कारण है कि इसे भविष्य की सिक्योरिटी सिस्टम की नींव माना जा रहा है। हालांकि इसका पूरा इकोसिस्टम अभी पूरी तरह मैच्योर नहीं हुआ है और सभी वेबसाइटस तथा एप्लिकेशन्स इसे सपोर्ट नहीं करते। ऐसे में यूज़र्स को पुराने और नए दोनों सिक्योरिटी फ्रेमवर्क्स के साथ चलना पड़ रहा है। पासकी रिकवरी और बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन भी नई चुनौतियां तथा प्राइवेसी से जुड़े प्रश्न खड़े करते हैं। इसलिए नई टेक्नोलॉजी के फायदे के साथ उनके रिस्क को समझना भी उतना ही जरूरी है।

बढ़ते साइबर खतरों के बीच समझदारी का रास्ता सतर्क ट्रस्ट से होकर गुजरता है। एक्सपर्ट्स मजबूत मास्टर पासवर्ड, हार्डवेयर सिक्योरिटी की, मल्टी-लेयर ऑथेंटिकेशन और रेगुलर सिक्योरिटी टेस्टिंग के कॉम्बिनेशन की सलाह देते हैं। सिर्फ क्लाउड पर डिपेंड रहने के बजाय लोकल या हाइब्रिड स्टोरेज ऑप्शंस अतिरिक्त सुरक्षा दे सकते हैं। 2025 में पासवर्ड मैनेजमेंट मार्केट लगभग 3 बिलियन डॉलर का था और 2030 तक इसके तेज़ी से बढ़ने का अनुमान है। फिर भी यूज़र विश्वास की कमी, कॉस्ट और टेक्निकल कॉम्प्लेक्सिटी बड़ी चुनौतियां बनी हुई हैं। साफ है कि टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन के साथ जागरूक और अलर्ट यूज़र भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।

बदलते साइबर परिदृश्य का सबसे बड़ा सबक यही है कि सिक्योरिटी कभी स्टेबल नहीं रहती। पासवर्ड मैनेजर्स ने पासवर्ड दोहराव की समस्या घटाई है, लेकिन अब वे खुद साइबर क्रिमिनल्स के निशाने पर हैं। इसलिए न अंधा ट्रस्ट उचित है और न ही उनका पूरी तरह से त्याग। जरूरत सतर्कता, बैलेंस्ड अप्रोच और नई टेक्नोलॉजी के साथ खुद को लगातार अपडेट रखने की है। पासकी, हार्डवेयर सिक्योरिटी कीज, बायोमेट्रिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सिस्टम्स भविष्य की दिशा तय करेंगे, लेकिन सुरक्षा की सबसे मजबूत कड़ी जागरूक यूज़र ही रहेगा। जब तक डिजिटल आदतों में बदलाव नहीं आएगा, साइबर खतरे बने रहेंगे। इसलिए सुविधा नहीं, सुरक्षा को प्राथमिकता देनी होगी, क्योंकि एक साइबर अटैक केवल डेटा ही नहीं, बल्कि ट्रस्ट और प्राइवेसी भी छीन सकता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हिंदी पत्रकारिता का शुरुआती दौर बेहद चुनौतीपूर्ण था : राज्यपाल मंगूभाई पटेल

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने बुधवार को कहा कि हिंदी पत्रकारिता का शुरुआती दौर बेहद चुनौतीपूर्ण था, लेकिन उस समय के पत्रकारों ने ब्रिटिश शासन की कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने आदर्शों और पत्रकारिता की गरिमा को बनाए रखा।

पटेल यहां माधवराव सप्रे स्मृति समाचार पत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान की ओर से आयोजित 'हिंदी पत्रकारिता द्विशताब्दी समारोह, पुरखों को नमन : पोस्टर प्रदर्शनी' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल ने इस पहल के लिए संस्थान की सराहना करते हुए कहा कि ब्रिटिश शासन की अनेक कठिनाइयों के बीच भी उस दौर के कर्मठ पत्रकारों ने पत्रकारिता के आदर्शों और उसकी विश्वसनीयता को अक्षुण्ण रखा। उन्होंने कहा, ऐतिहासिक हिंदी समाचार पत्रों, पत्रिकाओं और युगप्रवर्तक संपादकों पर आधारित यह प्रदर्शनी प्रेरणादायी प्रयास है। यह उन संपादकों के त्याग, समर्पण और राष्ट्रसेवा की भावना को जीवंत करती है, जिन्होंने अपना जीवन जनसेवा और राष्ट्रीय कर्तव्य के लिए समर्पित कर दिया।

पटेल ने कहा कि पत्रकारिता कोई सामान्य पेशा नहीं है, बल्कि यह समाज के प्रति उत्तरदायित्व, सत्य के प्रति निष्ठा और राष्ट्र के प्रति समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हिंदी पत्रकारिता ने हमेशा समाचारों के प्रसार की सीमाओं से आगे बढ़कर समाज को दिशा देने, जनमत को सशक्त बनाने और राष्ट्रीय चेतना को जागृत करने का काम किया है।

राज्यपाल ने कहा कि आजादी के आंदोलन के दौरान हिंदी पत्रकारिता ने जनजागरण, सामाजिक सुधार और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने में प्रभावी भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के इस युग में हिंदी पत्रकारिता को वीडियो, पॉडकास्ट, वेबसाइट और मोबाइल मंचों के माध्यम से युवा पीढ़ी से जोड़ना आवश्यक है।

इस अवसर पर राज्यपाल के जीवन पर आधारित पुस्तक 'पीर परायी जाने रे' का विमोचन किया गया।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में बचे एक प्रतिशत गतिरोध को दूर करने की कोशिश जारी: सर्जियो गोर

मुंबई/भाषा। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने बुधवार को कहा कि भारत और अमेरिका अपने व्यापार समझौते में शेष एक प्रतिशत के गतिरोध को सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं और उम्मीद है कि अगले कुछ सप्ताह के भीतर समझौते पर हस्ताक्षर हो जाएंगे।

'सिटी 2026 इंडिया कॉन्फ्रेंस' में गोर ने कहा कि अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधिमंडल इस समय समझौते पर बातचीत के लिए भारत में है।

एक अधिकारी के अनुसार, प्रस्तावित अंतरिम व्यापार समझौते के विवरण को अंतिम रूप देने के लिए भारत और अमेरिका के शीर्ष वार्ताकारों ने मंगलवार को तीन दिवसीय वार्ता शुरू की।

समझौते का प्रारूप फरवरी में तैयार कर लिया गया था। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उसके मुख्य वार्ताकार ब्रेंडन लिंच कर रहे हैं, जबकि भारत की ओर से वाणिज्य विभाग में अतिरिक्त सचिव दर्पण जैन मुख्य वार्ताकार हैं।

गोर ने कहा, ''अंतरिम व्यापार समझौते का अधिकांश हिस्सा तय हो चुका है। अब केवल एक प्रतिशत मुद्दा बचा है, जिसे अंतिम रूप देने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि दोनों देशों के नेता इस पर हस्ताक्षर कर इसे औपचारिक और कानूनी रूप दे सकें।'' उन्होंने कहा, ''हमें उम्मीद है कि यह काम अगले कुछ सप्ताह में पूरा हो जाएगा। इसमें वर्षों नहीं लगेंगे। हम समझौते को अंतिम रूप देने के बेहद करीब हैं।''

गोर ने 11 और 12 मार्च, 2026 को अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूएसटीआर) द्वारा बंधुआ मजदूरी और अतिरिक्त औद्योगिक क्षमता से जुड़े मुद्दों पर 60 देशों के खिलाफ धारा-301 के तहत शुरू की गई जांच पर भी प्रतिक्रिया दी।

यूएसटीआर ने दो जून को बंधुआ मजदूरी से संबंधित जांच के निष्कर्ष जारी करते हुए 60 अर्थव्यवस्थाओं से आयात पर अतिरिक्त शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा था।

गोर ने कहा कि अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्क वैश्विक स्तर पर लागू किए गए हैं और उनका लक्ष्य विशेष रूप से भारत नहीं है। उन्होंने कहा, ''ये शुल्क केवल भारत पर नहीं लगाए गए हैं। ये यूरोपीय संघ, कनाडा, मेक्सिको और जापान तथा दक्षिण कोरिया सहित एशिया के लगभग सभी देशों पर लागू किए गए हैं।''

सहायता

पश्चिम मेदिनीपुर के मेदिनीपुर सदर ब्लॉक कार्यालय में बुधवार को 'अन्नपूर्णा भंडार योजना' के तहत महिला लाभार्थियों को वित्तीय सहायता राशि प्रदान की गई। इस योजना के अंतर्गत महिलाओं को प्रति माह 3,000 की सहायता दी जाती है।

एआई अवसंरचना में संपर्क अहम, मार्वेल बन सकती है हजार अरब डॉलर की कंपनी : एनवीडिया सीईओ

ताइपे/भाषा। चिप विनिर्माता कंपनी एनवीडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जेंसन हुआंग ने अगली पीढ़ी के कृत्रिम मेधा (एआई) ढांचे को सशक्त बनाने में संपर्क के बढ़ते महत्व को रेखांकित किया है।

मार्वेल टेक्नोलॉजी के प्रमुख मैट मर्फी के साथ 'कंप्यूटेक्स 2026' मंच साझा करते हुए हुआंग ने कहा कि इस सेमीकंडक्टर कंपनी में एक हजार अरब डॉलर की कंपनी बनने की संभावना है।

जेंसन हुआंग ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा, '' अगली हजार अरब-डॉलर कंपनी।'' इस पर वहां मौजूद लोगों ने तालियां बजाईं।

मीडिया की खबरों के अनुसार, इस घोषणा के बाद मार्वेल के शेयर में 30 प्रतिशत से अधिक की तेजी आई। इस वर्ष की शुरुआत में एनवीडिया ने अपनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए मार्वेल टेक्नोलॉजी में दो अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की घोषणा की थी।

हुआंग ने मंगलवार को एआई अवसंरचना को सक्षम बनाने में संपर्क के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि मार्वेल की प्रौद्योगिकी, डेटा सेंटर को व्यापक बनाने और आपस में जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा, '' उपयोगी एआई आ चुका है। यही कारण है कि आपकी मांग तेजी से बढ़ रही है और मेरी मांग भी बढ़ रही है।'' यह वैश्विक प्रौद्योगिकी कार्यक्रम ताइवान एक्सटर्नल ट्रेड डेवलपमेंट काउंसिल द्वारा आयोजित किया गया था।

वहीं मैट मर्फी ने कहा कि डेटा सेंटर के भीतर पारंपरिक तांबा-आधारित प्रौद्योगिकी से संपर्क को व्यापक करना उद्योग के लिए चुनौती बनता जा रहा है। उन्होंने बताया कि टेराबिट डेटा स्पीड पर सिग्नल में गंभीर गिरावट, बिजली की बढ़ती आवश्यकता और अत्यधिक गर्मी उत्पन्न होने के कारण तांबे के तार कठिन समस्या का सामना कर रहे हैं।

मर्फी की कंपनी ने कैलिफोर्निया मुख्यालय के बाहर भारत में अपना सबसे बड़ा वैश्विक अनुसंधान एवं विकास केंद्र स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि सर्वर रैक के भीतर पारंपरिक तांबा केबल अब अपनी भौतिक सीमाओं पर पहुंच रही है।

कभी मत कहो कि हमारे पास कम है: अंकिता लोखंडे

मुंबई/एजेन्सी

टेलीविजन की लोकप्रिय अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने मंगलवार को अपनी नानी के 84वें जन्मदिन समारोह की झलकियां सोशल मीडिया पर शेयर कीं। अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट में बताया कि उनकी नानी आंशिक पैरालिसिस (लकवा) से पीड़ित होने के बावजूद आज भी आत्मनिर्भर हैं और किसी पर निर्भर नहीं रहतीं। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए एक वीडियो में अंकिता पीले रंग की साड़ी पहने अपनी नानी का हाथ थामकर उन्हें कार्यक्रम स्थल तक ले जाती नजर आ रही हैं। वीडियो के अन्य हिस्सों में परिवार के सदस्य भी उनकी नानी के आसपास दिखाई दे रहे हैं। समारोह के दौरान अंकिता भावुक भी नजर आईं। वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, आज मेरी आजी (नानी मां) का 84वां जन्मदिन है। साथ ही उन्होंने अपने जीवन में 1000 पूर्ण चंद्रमा देखने का विशेष पड़ाव भी पूरा किया है। अभिनेत्री ने बताया कि वह अपनी नानी को मां के समान मानती हैं। उन्होंने लिखा, जब मैं केवल छह महीने की थी, तभी से नानी ने मुझे अपनी गोद में पाल-पोसकर बड़ा किया। इसलिए वह मेरे लिए सिर्फ नानी नहीं, बल्कि मां जैसी हैं। जीवन की सबसे बड़ी सीख मैंने उन्हीं से सीखी है, भगवान पर विश्वास रखना, रिश्तों की कद्र करना, घर को प्यार से संभालना और पैसे की अहमियत समझना। उनकी एक बात मैं आज भी हमेशा याद रखती हूं, कभी यह मत कहो कि हमारे पास कम है, हमेशा कहो कि हमारे पास बहुत कुछ है। अंकिता ने लिखा, एक छोटे से घर में चार बेटियों की परवरिश करते हुए मां आजी ने इतना प्यार और अपनापन दिया कि उनके घर से कोई भी कभी भूखा नहीं लौटा। आज भी उनका हौसला मुझे प्रेरित करता है। शरीर का एक हिस्सा प्रभावित होने के बाद भी वह पूरी मजबूती और आत्मविश्वास के साथ अपना जीवन जी रही हैं।

रणवीर सिंह के 'डॉन 3' विवाद पर प्रोड्यूसर्स गिल्ड सख्त, कहा- कलाकारों का ऐसा बर्ताव बर्दाश्त नहीं

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म निर्माताओं के संगठन 'प्रोड्यूसर्स गिल्ड ऑफ इंडिया' ने एक्टर रणवीर सिंह के फिल्म 'डॉन-3' और उससे जुड़े विवाद को देखते हुए बुधवार को नया बयान जारी किया है। शिबाशीष सरकार के नेतृत्व वाले इस संगठन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने कलाकारों के ऐसे गैर जिम्मेदाराना बर्ताव की आलोचना की। इससे पूरी फिल्म इंडस्ट्री पर बुरा असर पड़ता है। उन्होंने लिखा, हाल ही में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां कलाकार, निर्देशक और तकनीशियन अपनी तय प्रतिबद्धताओं से आखिरी समय पर पीछे हट रहे हैं। प्रोड्यूसर्स गिल्ड ऑफ इंडिया को अपने सदस्य एक्सेल एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड और पैनोरमा स्टूडियोज इंटरनेशनल लिमिटेड से भी इस संबंध में औपचारिक शिकायतें मिली हैं। ये समस्याएं फिल्मों की मुख्य शूटिंग शुरू होने से ठीक पहले सामने आईं।

उन्होंने आगे लिखा, फिल्म इंडस्ट्री के किसी भी सदस्य को ऐसा व्यवहार नहीं करना चाहिए, क्योंकि इससे निर्माताओं को भारी आर्थिक नुकसान होता है और इंडस्ट्री के अन्य क्षेत्रों पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इस तरह के कदम भरोसे, पेशेवर व्यवहार और आपसी सम्मान की उस भावना को कमजोर करते हैं, जिस पर पूरी फिल्म इंडस्ट्री आधारित है।प्रोड्यूसर्स गिल्ड ऑफ इंडिया ने अपने बयान में जोड़ते हुए बताया कि इस तरह की घटनाओं से किसी भी फिल्म की ब्रांड वैल्यू को नुकसान पहुंचता है। साथ ही उन सैकड़ों तकनीशियनों और क्रू सदस्यों की आजीविका भी प्रभावित होती है, जो इन परियोजनाओं पर निर्भर रहते हैं।

दिल्ली के मालवीय नगर में हुए भीषण अग्निकांड के पीड़ितों के परिजनों का मैक्स अस्पताल के बाहर रो-रोकर बुरा हाल है। बुधवार को हुए इस दर्दनाक हादसे में कथित तौर पर 21 लोगों की जान चली गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

'सलमान खान को कोर्ट में ही जवाब देंगे', 'काला हिरण' विवाद पर निर्माता अमित जानी का पलटवार

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म 'काला हिरण: द बैटल फॉर लेगेसी' को लेकर छिड़ा विवाद लगातार गहराता जा रहा है। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान द्वारा फिल्म के मेकर्स को भेजे गए लीगल नोटिस के बाद अब निर्माता अमित जानी ने खुलकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। से बातचीत में अमित जानी ने कहा कि यदि सलमान खान इस मामले को अदालत तक ले जाना चाहते हैं, तो वह उन्हें कोर्ट में ही जवाब देंगे। उन्होंने दावा किया कि उनकी फिल्म न तो सलमान खान पर आधारित है और न ही गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई पर, बल्कि यह बिश्नोई समाज के उन लोगों की कहानी है, जिन्होंने अपने अधिकारों और न्याय के लिए लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी। से बात करते हुए अमित जानी ने कहा, फिल्म का अभी तक न तो टीजर रिलीज हुआ है और न ही ट्रेलर सामने आया है। जब किसी ने फिल्म देखी ही नहीं है, तो उसके कंटेंट को लेकर आपत्ति कैसे जताई जा सकती है? अगर सलमान खान सीधे उनसे बातचीत करते और फिल्म की कहानी के बारे में पूछते, तो मैं विस्तार से समझा देता कि फिल्म का वास्तविक विषय क्या है।

निर्माता ने कहा, मुझे लगता है कि सलमान खान बिना पूरी जानकारी के इस फिल्म का विरोध कर रहे हैं। फिल्म में किसी के खिलाफ व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं की गई है। अगर किसी पोस्टर में एक व्यक्ति बंदूक लिए खड़ा दिखाई देता है और कहीं भी सलमान खान का नाम नहीं लिखा गया है, तो यह मान लेना कि फिल्म उन्हीं के बारे में है, सही नहीं है।

बातचीत के दौरान अमित जानी ने आगे कहा, काला हिरण उन बिश्नोई समुदाय के लोगों की कहानी है, जिन्होंने न्याय के लिए संघर्ष किया। मेरी पिछली फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' को लेकर भी कानूनी विवाद सामने आया था। उस मामले में अदालत के निर्देश पर हमने याचिकाकर्ताओं को फिल्म रिलीज से पहले दिखाई थी। इसी तरह यदि अदालत इस मामले में भी ऐसा कोई निर्देश देती है, तो हम उसका पालन करेंगे। अगर सलमान खान सीधे तौर पर फिल्म देखने की इच्छा जताते, तो मैं इसके लिए भी तैयार था। लेकिन बिना फिल्म देखे सीधे नोटिस भेजना उचित नहीं है।

निर्माता ने कहा, फिल्म बनाने का अधिकार सभी को है। आरुषि तलवार हत्याकांड, देश के विभाजन, महात्मा गांधी की हत्या, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ जैसे व्यक्तित्वों पर भी फिल्में बनाई गई हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर बनी फिल्म 'अजेय' के लिए उनकी मंजूरी नहीं ली गई थी, क्योंकि यह किताब 'द मॉन्क हू बिकेम चीफ मिनिस्टर' पर आधारित थी। हमारी फिल्म भी इस संबंध पर लिखी गई चार किताबों पर आधारित है।

देश को आर्थिक संकट से उबारने वालों के बारे में कोई नहीं जानता : मनोज वाजपेयी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई। अभिनेता मनोज वाजपेयी का कहना है कि उनकी आगामी फिल्म 'गवर्नर' में उन लोगों के योगदान के बारे में बताया जाएगा, जिन्होंने तीन दशक पहले देश को गंभीर आर्थिक संकट से उबारने में अहम भूमिका निभाई थी। सच्ची घटनाओं पर आधारित इस फिल्म में 1990 के दशक की शुरुआत में भारत को झकझोर देने वाले आर्थिक संकट की कहानी दिखाई जाएगी।

फिल्म में मनोज वाजपेयी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर की भूमिका निभा रहे हैं। उनका किरदार आरबीआई के पूर्व गवर्नर एस. वेंकटरमणन से प्रेरित है। फिल्म का निर्देशन चिन्मय मांडलेकर ने किया है, जबकि इसमें अदा शर्मा और मधु भी प्रमुख भूमिकाएं निभाती नजर आएंगी। वाजपेयी ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत करते हुए कहा कि 1991 के आर्थिक संकट के समय वह दिल्ली में रंगमंच कलाकार थे और अखबारों के जरिए घटनाक्रम पर नजर रखते थे।

उन्होंने कहा, मैं हमेशा से खबरों का शौकीन रहा हूं। इसलिए मुझे पूरी तरह पता है कि यह हुआ था। लेकिन बंद दरवाजों के पीछे क्या हुआ और वे कौन लोग थे जो भारत को उस संकट से बाहर निकालने के लिए जिम्मेदार थे, इसकी मुझे कोई जानकारी नहीं थी। अभिनेता ने कहा कि वह उस समय एक संघर्षरत रंगमंच कलाकार के रूप में पूरी तरह कंगाली में जीवन बिता रहे थे। वाजपेयी ने कहा, एक गरीब व्यक्ति की जिंदगी चलती रहती है, लेकिन यह स्पष्ट है कि जब रुपये का मूल्य घटता है तो उसका बोझ सभी को उठाना पड़ता है। उस समय भी स्थिति ऐसी ही थी। अभिनेता ने राजनीतिक अस्थिरता के बीच वित्तीय संकट से निपटने में पूर्व आरबीआई गवर्नर एस. वेंकटरमणन, अर्थशास्त्री मनमोहन सिंह और तत्कालीन प्रधानमंत्री चंद्रशेखर जैसी प्रमुख हस्तियों के योगदान को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा, इन लोगों के योगदान के बारे में कोई नहीं जानता। ऐसे में एक फिल्मकार या पटकथा लेखक की जिम्मेदारी है कि ऐसी घटनाओं को सिनेमाई और नाटकीय रूप देकर लोगों तक पहुंचाया जाए।

जब वाजपेयी से पूछा गया कि क्या फिल्म में किसी एक पक्ष का समर्थन किया गया है, तो अभिनेता ने कहा कि उन्होंने इसे यथासंभव प्रामाणिक बनाए रखने की कोशिश की है। निर्माता विपुल अमृतलाल शाह की इस फिल्म का सह-निर्माण आशिन ए. शाह ने किया है। फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी।

'कॉकटेल 2' के ट्रेलर में दिखी दोस्ती, प्यार और रिश्तों की उलझनें

मुबंई/एजेन्सी

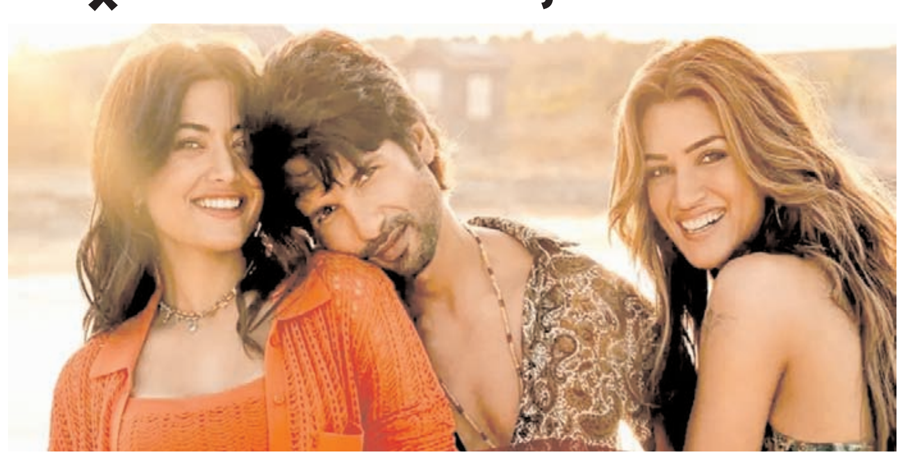

साल 2012 में आई फिल्म 'कॉकटेल' ने दोस्ती, प्यार और रिश्तों की कहानी को एक नए अंदाज में दर्शकों के सामने पेश किया था। सैफ अली खान, दीपिका पादुकोण और डायना पेंटी की तिकड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। अब करीब 14 साल बाद निर्देशक होमी अदजानिया 'कॉकटेल 2' लेकर लौटे हैं। इस बार फिल्म में शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। ट्रेलर में रोमांस, दोस्ती, इमोशन्स, कॉमेडी और रिश्तों की उलझनें एक साथ देखने को मिलती हैं। करीब तीन मिनट के ट्रेलर की शुरुआत शाहिद कपूर के किरदार कुणाल के एक दिलचस्प लाइन से होती है, जिसमें वह कहता है, 'रिश्ता जब नया होता है ना, तो एक्साइटिंग होता है, नए दोस्त मजेदार लगते हैं, क्योंकि उनकी कहानियां हमारे लिए नई लगती हैं, लेकिन प्यार उस फटी हुई टी-शर्ट की तरह होता है, जिसमें हम रोज रात सुकून से सोते हैं, और जब प्यार दोस्ती बन जाता है और दोस्ती में प्यार का रंग मिल जाता है, तो इससे बचने का एक ही सॉल्यूशन रह जाता है।' इसके बाद ट्रेलर में सभी के किरदारों को इंट्रोड्यूस कराया जाता है। कुणाल के रोल में शाहिद कपूर, दीया के किरदार में रश्मिका मंदाना और एली की भूमिका में कृति सेनन हैं। तीनों अच्छे दोस्त हैं। तीनों साथ घूमते हैं, छुट्टियां मनाते हैं, मस्ती करते हैं और जिंदगी को खुलकर जीते हैं।

शुरुआत में सब कुछ मजेदार दिखाई देता है, लेकिन धीरे-धीरे कहानी में मोड़ आना शुरू हो जाता है, जब दोस्ती के बीच प्यार की एंट्री होती है, और यहीं से रिश्तों की उलझनें शुरू हो जाती हैं।ट्रेलर में लव ट्रायंगल देखने को मिलता है। कहानी में दिखाया गया है कि दीया और एली दोनों ही कुणाल के करीब आने लगती हैं। पहले जो रिश्ता केवल दोस्ती का था, वह धीरे-धीरे लव फीलिंग में बदल जाता है। शाहिद का किरदार खुद भी इन फीलिंग्स के बीच उलझता नजर आता है।डायलॉग्स की बात करें तो ट्रेलर में कई ऐसे डायलॉग हैं जो दर्शकों का ध्यान खींचते हैं। एक जगह कृति सेनन का किरदार कहता है- 'सब अपनी-अपनी एक्सपाइरी डेट के साथ आते हैं, और एक्सपाइरी डेट के बाद तो दवा भी जहर बन जाती है।' वहीं ट्रेलर के आखिर में शाहिद कपूर का एक डायलॉग लोगों के चेहरे पर हंसी ला देता है, जिसमें वह कहते है 'मैं हीरा नहीं कोहिनूर हूं।'म्यूजिक भी ट्रेलर की एक बड़ी ताकत बनकर सामने आया। ट्रेलर में पहली 'कॉकटेल' फिल्म का लोकप्रिय गाना 'तुम ही हो बंधू' भी सुनाई दिया। 'कॉकटेल 2' का निर्माण मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले किया गया है। फिल्म की कहानी लव रंजन और तरुण जैन ने लिखी है। f

फैशन, लग्जरी और स्टाइल का संगम हाई लाइफ फिर आ रही है...

आगाज 5 जून को द ललित अशोक में होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। फैशन और स्टाइल के लिए मशहूर हाई लाइफ प्रदर्शनी एक बार फिर आ रही है। इसका आगाज 5 जून को द ललित अशोक में होगा। यह 7 जून तक जारी रहेगी। इसके आयोजकों ने बताया कि इंतज़ार की घड़ियां पूरी हुईं। अब फ़ैशन डेस्टिनेशन हाई लाइफ वापस आ गई है।

उन्होंने बताया कि यह देश के टॉप डिज़ाइनरों को एक साथ ला रही है, जो शानदार फ़ेस्टिव वियर, कंटेम्पररी फ़ैशन, लग्जरी कुटूर, एलिगेंट ज्वेलरी और स्टाइलिश एक्सेसरीज़ सबकुछ एक ही छत के नीचे पेश करेंगे। इस शानदार प्रदर्शनी में एक्सक्लूसिव कलेक्शन देखने और फ़ैशन एवं लाइफ़स्टाइल के लेटेस्ट ट्रेंड्स जानने का मौका मिलेगा। उन्होंने बताया कि यह प्रदर्शनी हर बार बेंगलूरु में धूम मचाती है। इसे शहर का सबसे प्रतिष्ठित फैशन इवेंट माना जाता है। जो लोग फैशन, लग्जरी और स्टाइल से लगाव रखते हैं, वे इसमें जरूर शिरकत करें।

डी के शिवकुमार : कांग्रेस के 'संकटमोचक' अब कर्नाटक के 'सरकार'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। डोड्डा अलाहल्ली गांव की धूल भरी गलियों से लेकर कर्नाटक के सर्वोच्च राजनीतिक पद तक, डी. के. शिवकुमार चार दशक लंबी यात्रा के बाद आज उस मुकाम पर पहुंच गए जिसका सपना उन्होंने वर्षों पहले देखा था। उनका सपना कर्नाटक का मुख्यमंत्री बनना था और आज 64 साल की उम्र में यह पूरा हो गया। इसे मुश्किल समय में कांग्रेस के 'संकट मोचक' बनने और पार्टी एवं गांधी-नेहरू परिवार के प्रति वफादारी का ईनाम भी कहा जा सकता है। शिवकुमार को 'कनकपुरा बंडे' के नाम से जाना जाता है, यानी कनकपुरा की ग्रेनाइट चट्टान। यह वही विधानसभा क्षेत्र है जिसका वह प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कांग्रेस पार्टी के 'संकट मोचक' के रूप में भी ख्याति अर्जित की है। उन्हें राजनीति में पहला बड़ा मौका 1985 में मिला जब उन्होंने कांग्रेस के टिकट पर सथानूर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा, हालांकि वे असफल रहे। चार साल बाद, उन्होंने उस निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की और 1989 में विधानसभा में प्रवेश किया। तब से, उन्होंने लगातार आठ विधानसभा चुनाव जीते हैं।

पिछले कुछ वर्षों में, 64 वर्षीय नेता ने स्वयं को कांग्रेस पार्टी के प्रमुख वोक्कालिगा नेता के रूप में स्थापित किया है। वोक्कालिगा कर्नाटक के प्रमुख कृषि समुदायों में से एक है। कांग्रेस आलाकमान ने 2017 में शिवकुमार के राजनीतिक प्रबंधन कौशल की परीक्षा ली, जब उन्हें राज्यसभा चुनावों से पहले बेंगलूरु में गुजरात के 42 कांग्रेस विधायकों को पार्टी से जोड़े रखने की जिम्मेदारी सौंपी गई ताकि 'क्रॉस वोटिंग' को रोका जा सके। वह पार्टी नेतृत्व की उम्मीदों पर खरा उतरे और गुजरात से कांग्रेस उम्मीदवार अहमद पटेल ने जीत दर्ज की। कांग्रेस नेताओं के अनुसार इस घटना ने शिवकुमार को व्यक्तिगत और राजनीतिक रूप से भारी नुकसान पहुंचाया, क्योंकि उस दौरान आयकर विभाग ने उनसे जुड़ी संपत्तियों पर छापेमारी की। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई राजनीति से प्रेरित थी। इसके बाद प्रवर्तन निदेशालय द्वारा कई छापे और तलाशी अभियान भी चलाए गए। शिवकुमार को तीन सितंबर 2019 को गिरफ्तार कर लिया गया और उन्हें 50 दिनों तक दिल्ली की तिहाड़ जेल में रखा गया। हालांकि, कई लोगों का मानना ङ्कङ्कथा कि वह कारावास से 'डर' जाएंगे या भाजपा के खेमे में चले जाएंगे, लेकिन कांग्रेस के प्रति उनकी निष्ठा और भी मजबूत होती नजर आई। उनके संगठनात्मक कौशल, राजनीतिक दृढ़ता और पार्टी के प्रति प्रतिबद्धता ने कांग्रेस आलाकमान को प्रभावित किया, जिसने उन्हें 2020 में कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया। शिवकुमार ने कर्नाटक में कांग्रेस के लिए एक कठिन दौर में कार्यभार संभाला। पार्टी ने 2018 के विधानसभा चुनावों में खराब प्रदर्शन किया था। उनके नेतृत्व में, कांग्रेस ने 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनावों में भारी बहुमत के साथ सत्ता में वापसी की और 224 सदस्यीय सदन में 134 सीटें जीतीं। निर्दलीय विधायकों के समर्थन से पार्टी की प्रभावी संख्या बाद में बढ़कर 140 हो गई।

हरिप्रसाद कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष नियुक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नईदिल्ली/बेंगलूरु। कांग्रेस ने अपने वरिष्ठ नेता बीके हरिप्रसाद को बुधवार को पार्टी की कर्नाटक इकाई का नया अध्यक्ष नियुक्त किया। हरिप्रसाद ने डीके शिवकुमार की जगह ली है, जो बुधवार को ही राज्य के नए मुख्यमंत्री बने। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने हरिप्रसाद की नियुक्ति तत्काल प्रभाव से की है।

कांग्रेस ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद से हटे शिवकुमार का उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त किया। हरिप्रसाद को बुधवार को ही कर्नाटक विधान परिषद चुनाव के लिए उम्मीदवार घोषित किया गया। वह अब तक हरियाणा के लिए कांग्रेस प्रभारी की जिम्मेदारी निभा रहे थे।

सोनिया ने शिवकुमार को बधाई दी

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने से कुछ घंटे पहले डी.के. शिवकुमार ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने उन्हें फोन पर शुभकामनाएं दी हैं। शिवकुमार ने बताया कि उन्होंने सोनिया गांधी को आश्वासन दिया है कि वह सभी को साथ लेकर चलेंगे। शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''सोनिया गांधी ने मुझसे फोन पर बात की। उन्हें शुरू से ही मुझ पर बहुत भरोसा है। उन्होंने मुझे (राज्य में) पार्टी अध्यक्ष बनाया। उन्होंने मुझे शुभकामनाएं दीं और सभी को साथ लेकर चलने को कहा। मैंने आश्वासन दिया है कि मैं सभी को साथ लेकर चलूंगा।''

शिवकुमार ने छात्रों के लिए मुफ्त बस पास और निजी रोजगार एक्सचेंज स्थापित करने की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने बुधवार को पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद कई कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा की, जिनमें छात्रों के लिए मुफ्त बस पास और निजी रोजगार एक्सचेंज की स्थापना शामिल है। पद और गोपनीयता की शपथ लेने के बाद शिवकुमार ने पहले कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें यह निर्णय लिया गया कि गैर-लक्जरी सरकारी बसों में सभी छात्रों को मुफ्त बस पास दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरियों में युवाओं की भर्ती के लिए जल्द ही कार्यक्रमों की रूपरेखा घोषित की जाएगी।

शिवकुमार ने यह भी कहा कि बेरोजगारी के मुद्दे को दूर करने के लिए निजी रोजगार एक्सचेंज स्थापित किया जाएगा, जहां लोग नौकरियों के लिए पंजीकरण करवा सकेंगे। उन्होंने कहा, निजी रोजगार एक्सचेंज की रूपरेखा को एक महीने में अंतिम रूप दिया जाएगा। उन्होंने यह घोषणा भी की कि कर्नाटक में नेतृत्व क्षमता बढ़ाने और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने के लिए 10,000 भारत जोड़ो युवा संघ स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा, प्रत्येक ग्राम पंचायत के भारत जोड़ो युवा संघ को 10 लाख रुपये दिए जाएंगे।

कैबिनेट ने यह निर्णय भी लिया कि अनधिकृत भवनों के लिए ए-खाता दस्तावेज जारी करने का अभियान पूरे कर्नाटक में ले जाया जाएगा। शिवकुमार ने मीडिया से सरकार के साथ सहयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वह सरकार की आलोचना के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन मीडिया को विमर्श गढ़ने से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के चारों स्तंभों को मिलकर काम करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सरकार गांवों से शहरों में किसानों के पलायन को रोकने के लिए आवश्यक निर्णय लेगी।

महावीर दर्शन मंच ने विभिन्न प्रकोष्ठों के प्रमुखों की नियुक्ति की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। गत दिनों गठित 'महावीर दर्शन मंच' ने एक विशेष बैठक आयोजित कर आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई तथा विभिन्न प्रकोष्ठ के प्रमुखों की नियुक्ति की गई। दर्शन मंच के प्रचार प्रभारी सोहन मेहता एवं कार्यक्रम संयोजिका रेणु रांका ने बताया कि प्राचीनतम जैन विरासतों को लेकर विभिन्न कार्ययोजनाओं के लिए पुरातत्वविद दिनेश जैन व कुशल गुलेच्छा के नेतृत्व में कमेटी बनाई गई है। धार्मिक,सामाजिक व सांस्कृतिक विषमताओं व आडंबरों को रोकने के लिए बनाई गई कमेटी में बेंगलूरु के बाबूलाल भण्डारी, मुम्बई के एसबी भण्डारी व चेन्नई के किरण जैन को शामिल किया गया है। जैनों के संवैधानिक व विधिक अल्पसंख्यक धर्म के संरक्षण व संवर्धन के अधिकारों को व्यापक बनाने के लिए बनाई कमेटी में बेंगलूरु की रेणु रांका को जिम्मेदारी सौंपी गई है और बेंगलूरु में संगठन के प्रचार प्रसार की जिम्मेदारी राकेश नाहर को दी गई है। अंत में जून माह में मातृभूमि व देश के लिए मर मिटने वाले विश्व इतिहास के महान दानवीर भामाशाह की जयन्ती धूमधाम से मनाने का भी निर्णय लिया गया है।

श्रावक मर्यादित जीवन जीएं : साध्वीश्री स्वाति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान में आयोजित प्रवचन सभा में स्थानक भवन में बुधवार को श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए साध्वीश्री स्वातिजी ने कहा कि श्रावक मर्यादित जीवन जीएं। भगवान ने दो प्रकार के धर्म आगार और अणगार धर्म बतलाए हैं जिनमें पंच महाव्रत का पालन साधुओं के लिए और गृहस्थ जीवन जीने वाले श्रावक के लिए बारह व्रतों का विधान किया गया है। जीवन में हमेशा आत्मा की शुद्धि के लिए धर्म मार्ग पर आगे बढ़ते रहना चाहिए। धर्म ही हमें जीवन जीने की कला और संसार सागर से पार कराने वाला है। भगवान महावीर के प्रमुख आनंद, कामदेव, शंख आदि महान श्रमणोपासकों के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने जीवन को संयमित, मर्यादित जीवन जीना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमेशा श्रावकों को सुपात्र दान के साथ अतिथि संविभाग की भावना रखनी चाहिए, जिससे श्रावक के जीवन में कर्मों की निर्जरा होती है। जीवन में हमेशा परोपकार की भावना रखें। भगवान महावीर ने दान को श्रावक का प्रमुख कर्तव्य बताया है। जीवन में गुण को ग्रहण करने का भाव रखें। कार्यक्रम का संचालन संजय कुमार कचोलिया ने किया।

सद्गुणहीन व्यक्ति इंसान कहलाने लायक नहीं होता : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड स्थित ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र में विराजित राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने बुधवार को अपने दैनिक प्रवचन में कहा कि पद, प्रतिष्ठा, धन, वैभव से संपन्न होने के बावजूद भी व्यक्ति में यदि सद्गुण विद्यमान नहीं है तो वह इंसान कहलाने के लायक नहीं है। जिसके पास भौतिक वैभव शून्य है और सद्गुणों से परिपूर्ण है बहुत दुनिया में सबसे महान और अमीर व्यक्ति है। उन्होंने कहा कि दुर्गुणों का जीवन में प्रवेश होने पर धन की बर्बादी, आत्मा का पतन, संस्कारों की होली होती है, चरित्र का नाश होता है। जैसे सोने की लंका का विनाश हुआ, वैसे ही संस्कारहीन जीवन में धन, वैभव होने के बावजूद पतन और विनाश हो जाता है। मुनि कमलेशजी ने कहा कि सद्गुणों को अपनाकर सामान्य व्यक्ति भी महापुरुषों के श्रेणी में आ जाता है और मरकर भी दुनिया में अमर हो जाता है, अनंत काल तक जनता को मार्गदर्शन करता रहता है। उन्होंने कहा कि सदगुण जन्म-जन्मातर तक आत्मा का विकास करते हैं।

भक्त रविदास, तुलसी, कबीर झोपड़ी में रहकर भी देव तुल्य पूजनीय बन गए। इस मौके पर पुष्कर भवन में विराजित साध्वीश्री सत्यप्रभाजी ने राष्ट्रसंत का स्वागत किया। साध्वीश्री धर्मशीलाजी, तरुणशीलाजी, सिद्धिश्रीजी ने मंगलाचरण किया। पुष्कर भवन के अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा, उपाध्यक्ष माणकचंद बडेरा, मंत्री महावीरचन्द मेहता सहित विहार ग्रुप के युवा, महिला व युवती मंडल के सदस्य उपस्थित थे।

शॉपिग प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे महेंद्र मुणोत, मिला आमंत्रण

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। गत 13 वर्षों से महिला उद्यमियों को प्रदर्शनी के आयोजन द्वारा उनकी व्यावसायिक प्रतिभा को उभारने हेतु प्लेटफार्म उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'वीर इवेंट्स' द्वारा चार जून से होने वाले दो दिवसीय फेबुलस फैशन शॉपिंग प्रदर्शनी के बैनर का अनावरण मारुति मेडिकल के प्रमुख महेंद्र मुणोत ने किया।

वीर इवेंट्स की दोनों संचालिका पिंकी जैन एवं शीतल जैन ने महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए महेंद्र मुणोत के योगदान की सराहना करते हुए प्रदर्शनी के उद्घाटन के लिए मुणोत को आमंत्रित किया। इस मौके पर महेंद्र मुणोत ने कहा कि राष्ट्र की प्रगति में महिला प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना अत्यंत आवश्यक है। नारी शक्ति को बढ़ावा देने के लिए वीर इवेंट्स निरंतर प्रदर्शनी का आयोजन कर महिला सशक्तिकरण में सहयोग दे रहा है ।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु की अणुव्रत समिति के सदस्यों ने बुधवार को तेरापंथ सभा गांधीनगर के नए अध्यक्ष प्रकाश बाबेल से मुलाकात कर उनका सम्मान किया। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष ललित बाबेल, मंत्री लाभेश कांसवा, सहमंत्री सुरेश चावत, सहमंत्री सूरजमल पितलिया, प्रचार-प्रसार मंत्री कविता जैन एवं संगठन मंत्री निर्मल पोखरना ने बाबेल का सम्मान किया।

राजलदेसर परिषद् की नई कार्यकारिणी समिति ने ली शपथ

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय राजलदेसर परिषद की नवमनोनीत अध्यक्ष कविता नाहटा का शपथ ग्रहण समारोह बुधवार को तेरापंथ भवन राजराजेश्वरीनगर में आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में राजराजेश्वरीनगर तेरापंथ युवक परिषद से आलोक छाजेड़ जैन ने विधि द्वारा समारोह की शुरुआत की।

निवर्तमान अध्यक्ष बिमल बैद ने नव मनोनीत अध्यक्षा कविता नाहटा को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाई।

बाद में कविता ने कार्यकारिणी सदस्यों के नामों की घोषणा कर उन्हें शपथ दिलवाई। मंत्री कुलदीप बैद ने धन्यवाद दिया।

विजयनगर जैन बहु मंडल ने 'नीति वस्त्र भंडार योजना' के लिए जुटाए 3240 जोड़े वस्त्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजस्थान संघ कर्नाटक ट्रस्ट द्वारा जरूरतमंदों को पहनने के लायक परिधान उपलब्ध कराने के लिए नीति वस्त्र भंडार योजना शुरू की गई है, इसके अंतर्गत घर-घर से पहनने योग्य पुराने वस्त्र एकत्रित कर उन्हें पुन: धोकर, इस्तरी कर उन्हें जरूरतमंदों को मुहैय्या कराया जाता है।

नीति वस्त्र भंडार के चेयरमैन भोपाल सोनवाड़िया ने बताया कि इसी क्रम में विजयनगर क्षेत्र में सक्रिय वर्धमान स्थानकवासी जैन बहु मंडल ने हमारी इस योजना का प्रचार प्रसार कर करीबन 3240 जोड़े वस्त्र एकत्रित किए।

बहु मंडल की अध्यक्षा अलका लोढ़ा, मंत्री शिखा आंचलिया,समता बोहरा, अनिता गुगलिया, संतोष कटारिया, मोनिका सुराणा, चंचल पोरवाल, सारिका गुंदेचा, सिंपल हिंगड़ आदि मंडल की अनेक सदस्याओं ने वस्त्र एकित्रत करने में सहयोग दिया। संघ के अध्यक्ष कैलाश संखलेचा, नीति वस्त्र भंडार के चेयरमैन भोपाल सोनवाड़िया, को-चेयरमैन सुरेश लखानी, राजेश श्रीश्रीमाल एवं रतनीबाई मेहता ने बहु मंडल को धन्यवाद दिया।

आउवा जैन मंडल का इस वर्ष आउवा में होगा 'गांव सम्मेलन'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय चामराजपेट स्थित महावीर भवन में आयोजित आउवा जैन मंडल की बैठक में इस वर्ष 24 दिसम्बर से राजस्थान के आउवा गांव में तीन दिवसीय 'गांव सम्मेलन' का आयोजन करने का निर्णय लिया गया। यह सम्मेलन ट्रस्ट एवं संघ के सहयोग से सामूहिक रूप से आयोजित किया जाएगा।नवगठित कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष विजयराज पावेचा, उपाध्यक्ष प्रसन्न चंडालिया, सचिव गिरीश मांडोत, सहसचिव गौतम पोरवाल, कोषाध्यक्ष विजय इसरानी तथा सलाहकार मीठालाल पावेचा सहित सभी उपस्थित सदस्यों ने सम्मेलन को सफल बनाने हेतु पूर्ण उत्साह से संकल्प लिया। आयोजनों ने बताया कि इस सम्मेलन के माध्यम से आपसी परिचय, भाईचारा एवं सामाजिक एकता को और अधिक सुदृढ़ता मिलेगी। सम्मेलन में विभिन्न खेलकूद, सांस्कृतिक एवं मनोरंजक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**